Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 42
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार,11 सितम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

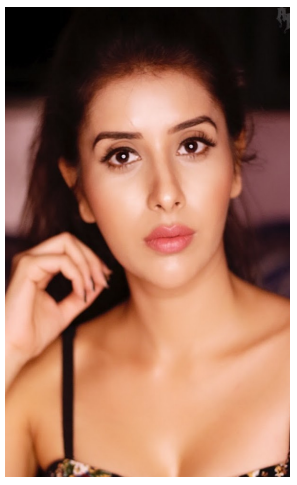

3 लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वाँ दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

4 नेपाल में फिर राजनैतिक उथल-पुथल

5 तलाक के 2 साल बाद एक्स के प्यार में चारु असोपा

योग्य गुरु मिले तो कोई भी मनुष्य अयोग्य नहीं

साधु अकेला, समाज उसका परिवार : सीएम

सीएम योगी को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धाजंलि समारोह के अंतर्गत बुधवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे।

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। अगर कोई मनुष्य अयोग्य है तो मानकर चलिए उसे योग्य योजक नहीं मिला। योग्य गुरु मिलने पर मनुष्य अयोग्य हो ही नहीं सकता। इस परिप्रेक्ष्य में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की सर्वस्वीकार्य प्रतिष्ठा सुयोग्य योजक की है। सीएम योगी को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धाजंलि समारोह के अंतर्गत बुधवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे। अमन्त्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम्, अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः॥ का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा कोई अक्षर नहीं है जिसमें मंत्र बनने का सामर्थ्य न हो और ऐसी कोई वनस्पति नहीं है जिसमें औषधीय गुण न हो। ऐसे ही कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, जरूरत होती है व्यक्ति की योग्यता को पहचान कर उसे सही दिशा देने वाले गुरु की। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने सदैव योजक की भूमिका का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र को दिशा दिखाई। पूर्ववर्ती दोनों पीठाधीश्वरों युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन देश और धर्म के लिए समर्पित था। साधु अकेला, समाज उसका परिवार, सनातन ही उसकी जाति मुख्यमंत्री ने कहा कि साधु अकेला होता है। समाज उसका परिवार, राष्ट्र उसका कुटुंब होता है और उसकी जाति सिर्फ सनातन होती है। उन्होंने कहा कि संतों के संकल्प में पवित्रता, दृढ़ता होती है, संकल्प में उसकी साधना के अंश होते हैं। और, जब सच्चा संत कोई संकल्प लेता है तो उसके परिणाम अवश्य आते हैं। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ ऐसे ही संकल्पों वाले संत थे। अयोध्या के श्रीराम मंदिर निर्माण के उनके संकल्प और संकल्प के प्रति किए गए संघर्ष का परिणाम आज पूरी दुनिया के सामने है। हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप की परंपरा से गोरखपुर आए महंत दिग्विजयनाथ मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि महंतश्री का जन्म इतिहास प्रसिद्ध मेवाड़ की उस कुल परंपरा में हुआ था जिसने विदेशी आक्रांताओं के सामने कभी समर्पण नहीं किया। वह हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप की परंपरा से गोरखपुर आए। उनका जीवन सिर्फ आध्यात्मिक उन्नयन तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होंने धर्म के अभ्युदय के साथ समाज और राष्ट्र के हित में सांसारिक उत्कर्ष को भी शिक्षा और सेवा के माध्यम से आमजन के लिए महत्व दिया। यही कार्य महंत अवेद्यनाथ जी ने भी किया। सीएम योगी ने कहा कि सच्चा साधु धर्म के अभ्युदय और निः श्रेयस, दोनों को साथ लेकर चलता है। गोरखनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के शिल्पी और शैक्षिक क्रांति के पुरोधा थे महंत दिग्विजयनाथ मुख्यमंत्री ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी गोरखनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के शिल्पी थे। उन्होंने इसे सनातन परंपरा के वैभवशाली मंदिर के रूप में स्थापित किया। इसके साथ ही उनकी ख्याति पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति के पुरोधा के रूप में भी है।

झारखंड में एक व्यक्ति ने की 2 महिलाओं की हत्या,

झारखंड। संतोष रविदास की पत्नी रिंकू देवी (32) और सोनी देवी (25) चार दिन पहले घर से पत्ते तोड़ने के लिए निकली थीं और उसके बाद से लापता हो गई थीं। गिरिडीह ज़िले में दो महिलाओं की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी और घटना के सामने आने के 24 घंटे के भीतर ही हत्या के आरोपी व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत हो गई। इस घटना ने संदेह और आक्रोश पैदा कर दिया है। संतोष रविदास की पत्नी रिंकू देवी (32) और सोनी देवी (25) चार दिन पहले घर से पत्ते तोड़ने के लिए निकली थीं और उसके बाद से लापता हो गई थीं। बाद में उनके शव उनके गाँव से लगभग चार किलोमीटर दूर गोल्गो हिल्स के पास एक जंगल से बरामद किए गए। पुलिस ने श्रीकांत चौधरी को गिरफ्तार कर लिया, जिसने कथित तौर पर दोनों महिलाओं की गला घोंटकर हत्या करने की बात कबूल की है।

बिहार को मोदी कैबिनेट की 7500 करोड़ की सौगात

वैष्णव बोले- विकास को मिली गति

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 7500 करोड़ रुपये की दो महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें एक रेलवे लाइन का दोहरीकरण और एक हाई-स्पीड राजमार्ग का निर्माण शामिल है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, ये परियोजनाएँ बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेंगी तथा पीएम-गति शक्ति योजना के तहत विकास की गति को तेज करेंगी।

बिहार : केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 7,500 करोड़ की एक रेलवे और एक राजमार्ग परियोजना को मंजूरी दे दी है। वैष्णव ने कहा कि देश में बुनियादी ढाँचे के निर्माण की गति बेहतर हुई है। बुधवार को कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान वैष्णव ने कहा कि आज की कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बड़ी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। वैष्णव ने आगे कहा कि बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी है, जिसकी कुल लागत 3,169 करोड़ रुपये है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इसमें 3,169 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली एक बेहद महत्वपूर्ण परियोजना भी है। अगर हम इस परियोजना को मानचित्र पर देखें, तो यह बिहार से शुरू होकर रामपुरहाट में झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ती है। अभी चलने वाली ज्यादातर ट्रेनें भागलपुर से मालदा टाउन और रामपुरहाट होते हुए हावड़ा जाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस दोहरीकरण के बाद, कई ट्रेनें भागलपुर से दुमका और वहाँ से सीधे रामपुरहाट जा सकेंगी। कई पैसेंजर ट्रेनें, मेल एक्सप्रेस ट्रेनें इससे होकर गुजर सकेंगी और यह देवघर तीर्थस्थल को भी जोड़ती है। एक तरह से, दक्षिण बिहार को कोलकाता से जिस कनेक्टिविटी की जरूरत है, वह इस परियोजना से पूरी हो जाती है। वैष्णव ने कहा, दोनों परियोजनाएँ तीन वर्षों में पूरी हो जाएँगी। राजमार्गों और रेलवे निर्माण, दोनों की गति बेहतर हुई है। मोकामा-मुंगेर खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जो भागलपुर से जुड़ता है। 82.4 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का निर्माण हाइब्रिड एन्युइटी मोड (HAM) के तहत 4,447.38 करोड़ की पूंजीगत लागत से किया जाएगा। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढाँचागत विकास संभव होगा। विज्ञप्ति में कहा गया है, इन परियोजनाओं की योजना पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है।

दिल्ली सरकार इहबास को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी : रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस संस्थान के लिए नए भवन का निर्माण करेगी और चालू वित्त वर्ष में एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी जांच सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा।

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी सरकार पूर्वी दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेज (इहबास) को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी। मुख्यमंत्री ने संस्थान का औचक निरीक्षण करने के बाद आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान की उपेक्षा की। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल प्रतिदिन 2,500 से 3,000 ओपीडी मरीजों को देखता है, लेकिन यहां मूलभूत जांच सुविधाओं की कमी है। उन्होंने कहा कि सरकार संस्थान में महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक अवसंरचना की व्यवस्था करेगी। गुप्ता ने कहा, यह अस्पताल न सिर्फ दिल्ली, बल्कि एनसीआर के मरीजों को भी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के लिए इलाज उपलब्ध कराता है। मुझे इहबास को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। यहां 2012 से एमआरआई मशीन नहीं है और सीटी स्कैन मशीन भी उपलब्ध नहीं है। एक्स-रे की सुविधाएं भी सीमित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस संस्थान के लिए नए भवन का निर्माण करेगी और चालू वित्त वर्ष में एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी जांच सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सबसे पहले अस्पताल के लिए एक नई ओपीडी का निर्माण किया जाएगा, जिसके बाद मुख्य इमारत का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विषम परिस्थितियों के बावजूद मरीजों का इलाज करने के लिए चिकित्सकीय टीम की सराहना भी की।

बंगाली में और ज्यादा बोलो, डरने की जरूरत नहीं...', ममता ने किया आह्वान

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल): ममता बनर्जी ने जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान जनता से आह्वान किया कि वे बिना घबराए और ज्यादा बंगाली में बातचीत करें। उन्होंने यह बयान पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिकों पर हो रहे कथित हमलों की पृष्ठभूमि में दिया है। उन्होंने नेपाल में फंसे राज्य के लोगों से अपील की कि वे घबराएं नहीं, उन्हें जल्द सुरक्षित वापस लाया जाएगा।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जनता से आग्रह कि वे बंगाली में ज्यादा बोलें और डरें नहीं। उनका यह बयान राज्य के प्रवासी मजदूरों पर हो रहे कथित हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। बनर्जी ने कहा, बंगाली में ज्यादा बोलो, डरो मत। हम स्पष्ट कहना चाहते हैं कि हम अपनी मातृभाषा यानी बंगाली ही बोलेंगे। लेकिन हम दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो प्रवासी मजदूर वापस बंगाल लौटेंगे, उन्हें सरकार की ओर से पांच हजार रुपये दिए जाएंगे और उनके बच्चों को नजदीकी स्कूल में दाखिला मिल सकेगा। जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, मैं रोज अपमान झेलती हूं, क्योंकि मैं बंगाल का विकास चाहती हूं। नेपाल की स्थिति पर ममता बनर्जी ने कहा, नेपाल में फंसे पर्यटकों की स्थिति को मैं गंभीरता से ले रही हूं। मैं उन्हें यह कहना चाहती हूं कि जब तक हालात सामान्य न हो जाएं, वे थोड़ा इंतजार करें। हम इस पूरे मामले पर नजर रखे हुए हैं और जल्द ही आप सभी को वापस लाया जाएगा। मंगलवार को नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह इस्तीफा युवाओं के उस आंदोलन के दबाव में दिया, जिसने पूरे नेपाल को राजनीतिक और सामाजिक रूप से हिला कर रख दिया है। प्रदर्शनकारियों ने कई बड़े नेताओं के घरों में आग लगा दी, राजनीतिक दलों के दफ्तरों पर हमला किया, संसद में तोड़फोड़ की और पूरी सरकार को हिला दिया। ओली सरकार ने कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाए थे, जिसके बाद युवाओं ने यह आंदोलन शुरू किया। आंदोलन पहले ही दिन हिंसक हो गया था, जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई थी।

डोडा: मेहराज मलिक की गिरफ्तारी असंवैधानिक: संजय सिंह

जम्मू। जम्मू-कश्मीर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और डोडा से मौजूदा विधायक मेहराज मलिक को जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। इस पर आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने विरोध दर्ज किया है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, क्या एक चुने हुए जनप्रतिनिधि पर पीएसए लगाना उचित है? चुने हुए प्रतिनिधि को आतंकवाद की तरह व्यवहार करना उचित नहीं है। यह असंवैधानिक है। मेहराज मलिक अस्पताल मांग रहे थे, आपने उन्हें पीएसए दे दिया, यह एक खतरनाक कानून का इस्तेमाल है। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं है जो हमारी

पार्टी के साथ हो रहा हैय हमारी पार्टी को खत्म करने के लिए भाजपा ने कई बार साजिश रची है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और हमें भी गिरफ्तार किया गया था। संजय सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई दिखाती है कि भाजपा का प्रयास आम आदमी पार्टी को खत्म करने का है। हम आंदोलन से निकले लोग है और इसकी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा, ष्क्या जम्मू-कश्मीर में इस तरह की कार्रवाई उचित है? आज इस कार्रवाई के कारण पूरी पार्टी के कार्यकताओं और जम्मू-कश्मीर की जनता में भारी रोष और गुस्सा है। सरकार यहां कुछ भी कर सकती है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान क्रॉस-वोटिंग के सवाल पर कहा, ष्जिन पार्टियों में क्रॉस-वोटिंग हुई है, उन्हें इसका पता लगाकर संबंधित लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

संछिप्त खबरे

हिंदू नेता के हत्यारे से दिनदहाड़े मुठभेड़, पुलिस ने पैर में मारी गोली

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में हिंदू समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष कमल चौहान की गोली मारकर हत्या किए जाने के आरोपी को मुरादाबाद पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। कटघर थाना क्षेत्र में मुरादाबाद पुलिस ने दिनदहाड़े हत्या के आरोपी शनि दिवाकर के साथ मुठभेड़ की। इस दौरान शनि दिवाकर के दोनों पैरों में गोली लगी जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह भी मौजूद रहे और खुद मुठभेड़ की निगरानी की। पूछताछ के दौरान घायल आरोपी शनि दिवाकर ने अपने जुर्म को कबूल कर लिया।

ग्वालियर के कांग्रेस महापौर की छवि धूमिल करवा रही भाजपा: उमंग सिंघार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ग्वालियर में कांग्रेस की महापौर की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। भारतीय भोजन सिंघार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि राज्य के दो मंत्रियों प्रद्युम्न सिंह तोमर और तुलसी सिलावट ने कल मंत्रिपरिषद् की बैठक के बाद ग्वालियर शहर की बदतर हालत को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से शिकायत की। मंत्रियों ने कहा कि शहर नरक जैसा हो गया है, अव्यवस्था चरम पर है, और न तो नगर निगम कमिश्नर सुन रहे हैं, न ही कलेक्टर। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री डॉ यादव के आश्वासन के बाद भी तोमर नहीं रुके और ग्वालियर के प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ने भी उनका समर्थन किया।

नेपाल प्रदर्शन: इंडिगो एयरलाइंस ने जारी की नई ट्रेवल एडवाइजरी

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस ने काठमांडू हवाई अड्डे के बंद होने की अवधि बढ़ाए जाने के बाद नई ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के अनुसार, काठमांडू से आने-जाने वाली सभी उड़ानें 10 सितंबर को शाम 6 बजे तक रद्द रहेंगी। यह फैसला नेपाल में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों और हवाई अड्डे की सुरक्षा स्थिति को देखते हुए लिया गया है। इंडिगो ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया, श्इस अनिश्चितता से यात्रियों को होने वाली असुविधा का अहसास है। कंपनी ने यात्रियों को आश्वासन दिया है कि उनके लिए फ्लेक्सिबल ऑप्शन्स उपलब्ध रहेंगे। इसके तहत, काठमांडू से आने-जाने

वाली उड़ानों के लिए री-शिड्यूल और कैंसिलेशन पर छूट 12 सितंबर तक जारी रहेगी। यह सुविधा उन यात्रियों के लिए लागू होगी, जिन्होंने 9 सितंबर या उससे पहले अपनी बुकिंग कराई थी। प्रभावित यात्री अपनी यात्रा का विकल्प चुनने या रिफंड के लिए एयरलाइन की वेबसाइट पर जा सकते हैं। हालांकि, उड़ानें अभी रुकी हुई हैं, लेकिन इंडिगो की टीमें स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर स्थिति पर नजर रख रही हैं। कंपनी का कहना है कि जैसे ही अनुमति मिलेगी, उड़ान सेवाएं फिर से शुरू की जाएंगी। इसके लिए नियमित अपडेट्स एयरलाइन के आधिकारिक चौनलों के माध्यम से साझा किए जाएंगे।

मोदी 11 सितंबर को मारीशस के प्रधानमंत्री का वाराणसी में करेंगे स्वागत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 सितंबर को वाराणसी में मारीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम की मेजबानी करेंगे और इसके बाद वहां से उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के हवाई सर्वेक्षण के लिए देहरादून जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार मोदी कल लगभग 11.30 बजे प्रधानमंत्री रामगुलाम का वाराणसी में स्वागत करेंगे। वह 9 से 16 सितंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। मोदी वहां से देहरादून जाएँगे और लगभग 4रू15 बजे, उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग पांच बजे अधिकारियों के साथ एक उच्च-

स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि ऐतिहासिक शहर वाराणसी में दोनों नेताओं के बीच यह बैठक स्थायी सभ्यतागत जुड़ाव, आध्यात्मिक बंधन और लोगों के बीच गहरे संबंधों को रेखांकित करती है। इसी सांस्कृतिक और सभ्यतागत जुड़ाव ने भारत और मॉरीशस के बीच विशेष और अनूठे संबंधों को विशेष आकार दिया है। दोनों नेता इस मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वे स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, बुनियादी ढाँचे के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे और नीली अर्थव्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा करेंगे। मोदी इसी वर्ष मार्च में मॉरीशस की राजकीय यात्रा पर गये थे और इससे दोनों देशों के बीच संबंधों को गति मिली थी। बयान में कहा गया है कि रामगुलाम की इस यात्रा से उस गति को और बल मिलेगा। मोदी की पिछली मारीशस यात्रा में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को उन्नत रणनीतिक साझेदारी का स्तर दिया था।

गोरखपुर स्टेशन स्थित वेटिंग रूम की सफाई करते हुए सफाईकर्मी

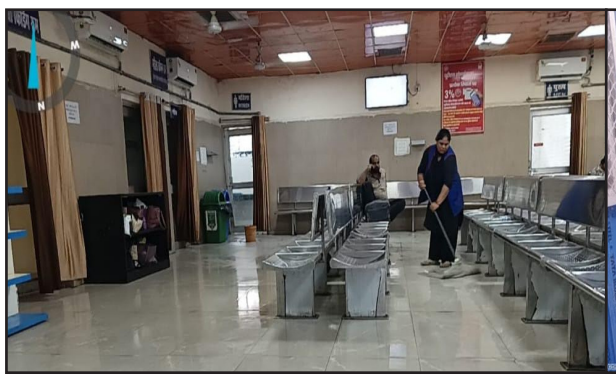

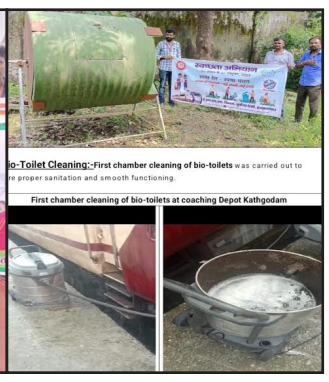

गोरखपुर, : सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 10 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मण्डलों के सभी प्रमुख स्टेशनों, गाड़ियों, स्टेशन परिसरों, कालोनियों एवं कार्यालयों में स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 10 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल के सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्वच्छता कार्य किया गया। इसी क्रम में स्टेशनों पर कार्य करने वाले स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्वच्छता कर्मचारियों के साथ सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली। स्वच्छता अभियान के दौरान पेण्ट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बों के प्रावधान तथा बेहतर अपशिष्ट प्रबन्धन को बढ़ावा दिया गया। कचरा बिन्दुओं की निगरानी की गई, स्टेशनों पर कचरा और वनस्पति की सफाई की गई, डस्टबिनों की धुलाई की गई, बायो-ट्वायलेट्स के पहले चैम्बर की सफाई की गई और टेज्नों एवं स्टेशनों पर यात्रियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया। वाराणसी मण्डल के देवरिया सदर, मऊ, सीवान, बलिया, आजमगढ, बनारस, प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता कार्य करने वाले कर्मचारियों के साथ स्वच्छता नारा और पोस्टर, बैनर लगाकर स्वास्थ्य निरीक्षकों के नेतृत्व में स्वच्छता रैली निकाली गई। अभियान के दौरान बायो-ट्वायलेट्स के पहले चैम्बर की सफाई की गई स्टेशनों का कचरा हटाया गया तथा अवांछित झाड़ियों एवं घास को साफ किया गया। पेण्ट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बे को प्रोत्साहित करने के लिये जागरूक किया गया। टेज्नों एवं प्लेटफार्मों पर यात्रियों को ह्यह्यस्वच्छ रेल, स्वच्छ भारतह्यह्य जैसे नारों से जागरूक किया गया। इज्जतनगर मण्डल के हल्द्वानी, काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, टनकपुर, कासगंज, रावतपुर, काठगोदाम आदि सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म एवं वाशिंग लाइनों पर ट्रेनों की गहन सफाई की गयी। काठगोदाम एवं कासगंज कोचिंग डिपो में फर्स्ट चैम्बर बायो-ट्वायलेटस की सफाई की गई, सभी कोचिंग डिपो से कचरों को हटाया गया तथा सफाई की गई, यात्री सुविधाओं से सम्बन्धित स्थानों जैसे वेटिंग हाल, वेटिंग रूम, टिकट वितरण हाल आदि की सफाई की गई तथा यात्रियों को स्वच्छता के लिये जागरूक किया गया।

संक्षिप्त खबरें

कैबिनेट ने बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल मोकामा-मुंगेर खंड के हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर निर्माण को मंजूरी दी है, जिसकी कुल लंबाई 82.4 किलोमीटर और कुल लागत 4447.38 करोड़ रुपये होगी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार के बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर खंड के हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की कुल लंबाई 82.400 किलोमीटर होगी और इसकी कुल पूंजीगत लागत 4447.38 करोड़ रुपये होगी। यह खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जैसा कि अनुलग्नक-कमें दिए गए मानचित्र में दशार्या गया है। पूर्वी बिहार में मुंगेर-जमालपुर-भागलपुर क्षेत्र आयुध कारखाने (मौजूदा बंदूक कारखाना और रक्षा मंत्रालय द्वारा आयुध कारखाना गलियारे के हिस्से के रूप में प्रस्तावित एक और कारखाना), लोकोमोटिव वर्कशॉप (जमालपुर में), खाद्य प्रसंस्करण (जैसे, मुंगेर में आईटीसी) और संबंधित रसद एवं भंडारण केंद्रों के बल पर एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। भागलपुरी सिल्क (भागलपुर में प्रस्तावित वस्त्र इको-सिस्टम) की प्रमुखता के बीच भागलपुर वस्त्र और रसद केंद्र के रूप में उभर रहा है। वहीं बड़हिया खाद्य पैकेजिंग, प्रसंस्करण और कृषि-गोदाम के लिए एक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। इस क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों से भविष्य में मोकामा-मुंगेर खंड पर माल ढुलाई और यातायात का विस्तार होने की उम्मीद है। टोल टैक्स की प्रणाली से युक्त 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर पर 100 किमी/घंटा की डिजाइन स्पीड के साथ वाहन की 80 किमी/घंटा की औसत गति को सपोर्ट करता है। इससे यात्रा में लगने वाला समय लगभग 1.5 घंटे तक कम हो जाएगा। साथ ही, यह यात्री और मालवाहक वाहनों, दोनों के लिए सुरक्षित, तेज और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। 82.40 किलोमीटर की प्रस्तावित परियोजना से लगभग 14.83 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार और 18.46 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। प्रस्तावित गलियारे के आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण यह परियोजना अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेलवे पुलिस पोस्ट कन्नौज की संयुक्त निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 14117 में घर से भागकर जा रहे 15, 15 व 16 वर्ष के 03 नाबालिग लड़कों को लावारिस हालत में पाकर कन्नौज पोस्ट पर लाया गया। उक्त तीनों लड़कों का थाना-चकोरी, जनपद-कानपुर नगर में मिसिंग की शिकायत पर थाने के उप निरीक्षक व तीनों लड़कों के परिजनों के उपस्थित होने पर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी को निगरानी के दौरान स्टेशन पर 12 वर्ष का एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड हेल्पलाइन, वाराणसी.को सुपुर्द किया गया। 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन पर 12 वर्ष का एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड हेल्पलाइन, गोरखपु? को सुपुर्द किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा द्वारा निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15084 में यात्रा कर रहे एक यात्री की तबियत खराब होने पर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय, छपरा में भर्ती कराया गया तथा इसकी सूचना यात्री के परिजनों को दिया गया। 08 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15054 में यात्री का छूटा बैग व मोबाइल मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा किया गया। 09 सितम्बर, 2025 को यात्री के भाई के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग व मोबाइल सुपुर्द किया गया। 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15031 में महिला यात्री का छूटा मोबाइल मिला, जिसे गोमतीनगर पोस्ट पर जमा कराया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया।

जांच के लिए पहुंची टीम अस्पताल में ताला देख लौटी

बस्ती। बभनान। नगर पंचायत बभनान के लक्ष्मीबाई नगर वार्ड में सोमवार को निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद प्रसूता के मौत मामले में गठित जांच टीम मंगलवार को अस्पताल पहुंची तो ताला लगा मिला। इससे जांच नहीं हो सकी और टीम बैरंग लौट गई। मामले में सीएचसी गौर की टीम जांच कर रही है। एमओआईसी डॉ. भास्कर यादव ने बताया कि सीएमओ के निर्देश पर बभनान के न्यू कृष्णा हॉस्पिटल पर प्रसूता की मौत के मामले में जांच के लिए टीम भेजी गई थी। अस्पताल पर ताला लटक रहा था। जिसके चलते टीम लौट आई। बताया कि अस्पताल के कागजात देखने का प्रयास है। बताया जाता है कि गोंडा जिले के खोड़ारे थाना क्षेत्र के फतेपुर गांव निवासी जितेंद्र राजभर पत्नी क्रांति को प्रसव पीड़ा होने पर छह सितंबर को अस्पताल में भर्ती कराया था। ऑपरेशन से बच्ची पैदा हुई। सबकुछ ठीक चल रहा था कि अचानक सोमवार को सुबह प्रसूता की तबीयत बिगड़ गई और शाम तीन बजे के करीब प्रसूता ने तोड़ दिया। घटना की जानकारी प्रसूता के गौर थाना क्षेत्र के सुमही गांव में मायके वालों को हुई तो बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस पहुंच गई। प्रभारी निरीक्षक पैकोलिया सुभाष मौर्य ने पहुंचकर अस्पताल से शव बरामद किया।

अभिलेख में हेरफेर कर नौकरी करने का आरोप

बस्ती। हरैया पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पैकोलिया थानांतर्गत गाजीपुर निवासी संजीत सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि विपक्षियों ने फर्जी व कूटरचित तरीके से अभिलेखों में हेरफेर कर नाम बदलकर सफाईकर्मी की नौकरी प्राप्त कर ली। साथ ही सरकारी आवास भी ले लिया।

मिजोरम में रेल लाइन केवल यात्रा नहीं, समृद्धि भी

भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित मिजोरम की राजधानी आइजोल रेल नेटवर्क से जुड़ने का जश्न मना रहा है। बइरबी-सायरंग रेल लाइन बिछा दी गई है, जो इस ऐतिहासिक बदलाव की गवाह बनेगी। यह लाइन असम-मिजोरम सीमा के पास स्थित बइरबी से शुरू होकर, राजधानी आइजोल से मात्र 18 कि.मी.दूर बसे छोटे नगर सायरंग तक पहुँचती है। 51.38 कि.मी.लंबी यह नई रेल लाइन घने बाँस के जंगलों, गहरी घाटियों और खड़ी पहाड़ियों से गुजरते हुए लुशाई (मिजो) पर्वतों से होकर निकलती है। 45 सुरंगों और 55 मुख्य ब्रिजों वाली इस रेल लाइन पर देश का दूसरा सबसे ऊँचा पियर ब्रिज बना है, जिसकी ऊँचाई 114 मीटर है, यानी कुतुब मीनार से भी अधिक ऊँचा। इसके साथ ही, शांत और सौम्य हवाओं वाली भूमि मिजोरम की राजधानी आइजोल अब राष्ट्रीय रेल ग्रिड से जुड़ गई है। प्रोजेक्ट को पूरा करना आसान नहीं था। दुर्गम स्थलाकृति, भूस्खलन और कठिन मॉनसून जैसी परिस्थितियों ने रेलवे की सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग क्षमता की परीक्षा ली। नई रेल लाइन मिजोरम के लोगों के जीवन को बदलने जा रही है। अब तक पहाड़ी भू-भाग के कारण आवागमन धीमा और कठिन था, जिससे यहाँ वस्तुएँ महँगी मिलती थीं और यात्राएँ लंबा समय लेती थीं। 51.38 कि.मी. लंबी इस लाइन के पूरा होने से कोलासिब जिले से आइजोल जिले तक की यात्रा का समय आधे से भी कम हो जाएगा। इसका अर्थ है कि सस्ती दरों पर आवश्यक वस्तुओं तक पहुँच आसान होगी, रोजगार और व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। यह रेल लाइन उद्यमियों के लिए बड़े बाजारों तक पहुँच के नए रास्ते खोलेगी। आइजोल के लोग अब देश के प्रमुख शहरों तक सुगमता पूर्वक पहुंच सकेंगे। एवं त्योहारों पर उन्हें अपने घर आने-जाने में सुगमता होगी। प्रकृति और संस्कृति का कॉरिडोर यह रेल लाइन केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि मिजोरम में विकास और संपर्क के नए दौर का नया अध्याय है। व्यापार और उद्योग के लिए भी यह रेल लाइन मददगार साबित होगी। यहाँ की हरियाली, घाटियाँ और पहाड़ियां दुनिया भर के सैलानियों को आकर्षित करेंगी। यहाँ की प्राकृतिक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आत्मीय आतिथ्य और जीवंत परंपराओं से जुड़ने का अवसर सैलानियों को मिलेगा। मिजोरम की खूबसूरती इसके प्राकृतिक दृश्यों में निहित है- घने जंगल, लहरदार पहाड़, मनमोहक घाटियाँ और स्वच्छ जलधाराएँ व झरने। यही कारण है कि इसे लैंड ऑफ द हाईलैंडर्स और लैंड ऑफ द ब्लू माउंटेन्स कहा जाता है। यह राज्य एक इकोलॉजिकल हॉटस्पॉट है, जहाँ अनोखी वनस्पतियाँ और जीव पाए जाते हैं। यहाँ की आदिवासी संस्कृति अपने संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, मिजोरम अब एडवेंचर पर्यटन का उभरता हुआ गंतव्य भी बन रहा है। अगस्त 2025 में मिजोरम सरकार और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के बीच इस रेल संपर्क के पर्यटन-संभावनाओं को साकार करने के लिए दो वर्ष का समझौता हुआ। इसमें पर्यटन पैकेजों को राज्य की पर्यटन अवसंरचना से जोड़ने पर बल दिया गया है। आईआरसीटीसी ने ह्वडिस्कवर नॉर्थ ईस्ट बियोंड गुवाहाटीह्व पहल के तहत विशेष पर्यटक ट्रेनों का संचालन करने की योजना बनाई है, ताकि किफायती, सतत और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन मॉडल विकसित किया जा सके। जियो स्ट्रेटजिक ब्रिज मिजोरम राज्य बांग्लादेश और म्यांमार, दोनों की सीमाओं को साझा करता है। यही कारण है कि यह भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी और नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी का केंद्र बिंदु है। रेल संपर्क का अर्थ है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह का व्यापार तेजी से बढ़ेगा। नियोजित रेल और सड़क नेटवर्क का विस्तार मिजोरम को भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक प्रमुख परिवहन केंद्र बना सकता है। यह विशेष रूप से वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण है। परिवर्तन की लहर आर्थिक और लॉजिस्टिक दृष्टि से हटकर देखें, तो आइजोल में रेल लाइन एक भावनात्मक जुड़ाव की उपलब्धि भी है। मिजोरम के लोगों के लिए यह इस बात की पुष्टि है कि वे देश का अहम हिस्सा हैं और भारत की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन की जाने वाली इस नई रेल कनेक्टिविटी के साथ, मिजोरम केवल एक रेलवे परियोजना के पूर्ण होने का अवसर ही नहीं, बल्कि एक लंबे समय से संजोए गए सपने के साकार होने का उत्सव मना रहा है। यह इस सच्चाई का प्रमाण है कि कोई भी भू-भाग इतना कठिन नहीं है और कोई भी लक्ष्य इतना बड़ा नहीं है कि समर्पण और दृढ़संकल्प के साथ हासिल न किया जा सके।

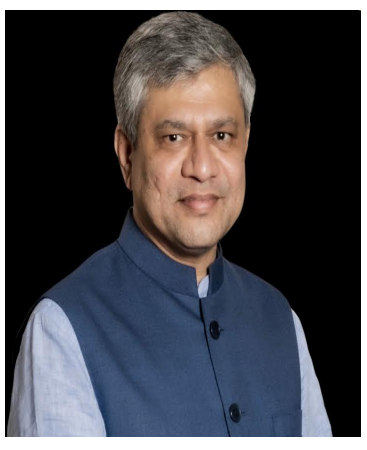

कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 3,169 करोड़ रुपए की लागत से भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है। इस बढ़ी हुई लाइन क्षमता से परिवहन में सुधार होगा जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी। इस मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी जिससे भारतीय रेलवे के इन सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास संभव होगा। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाएगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा। ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के साथ परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएं रेल यातायात के साथ-साथ सामानों की ढुलाई के लिए भी निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 177 किलोमीटर की वृद्धि होगी। यह परियोजना खंड, देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम), तारापीठ (शक्ति पीठ) आदि जैसे प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क प्रदान करता है। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 441 गांवों और 28.72 लाख आबादी तथा तीन आकांक्षी जिलों (बांका, गोड्डा और दुमका) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। कोयला, सीमेंट, उर्वरक, ईंट और पत्थर आदि जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। इन क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 15 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक लागत, तेल आयात (5 करोड़ लीटर) और सीओ2 उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

2025 दिन सोमवार को 10 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग पर 09111/09112 बड़ोदरा-गोरखपुर-बड़ोदरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन बड़ोदरा से 27 सितम्बर, 04, 11, 18, 25 अक्टूबर तथा 01, 08, 15, 22 तथा 29 नवम्बर,2025 दिन शनिवार को तथा गोरखपुर से 29 सितम्बर, 06, 13, 20, 27 अक्टूबर, 03, 10, 17, 24 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर,2025 दिन सोमवार को 10 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा।

09111 बड़ोदरा-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर, 04, 11, 18, 25 अक्टूबर तथा 01, 08, 15, 22 तथा 29 नवम्बर,2025 दिन शनिवार को बड़ोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान कर गोधरा से 20.10 बजे, रतलाम से 22.45 बजे, दूसरे दिन कोटा से 02.10 बजे, गंगापुर सिटी से 04.55 बजे, भरतपुर से 06.10 बजे, ईदगाह से 07.45 बजे, टुण्डला से 09.25 बजे, शिकोहाबाद से 10.02 बजे, मैनपुरी जं. 11.05 बजे, फरूर्खाबाद से 12.50 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 16.20 बजे, मानकनगर से 17.30 बजे, बादशाहनगर से 17.52 बजे, बाराबंकी से 19.15 बजे, गोण्डा से 20.40 बजे तथा बस्ती से 22.10 बजे छूटकर गोरखपुर 23.30 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में 09112 गोरखपुर-बड़ोहरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 29 सितम्बर, 06, 13, 20, 27 अक्टूबर, 03, 10, 17, 24 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर,2025 दिन सोमवार को गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 06.07 बजे, गोण्डा से 07.30 बजे, बाराबंकी से 09.00 बजे, बादशाहनगर से 10.02 बजे, मानकनगर से 10.35 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 12.25 बजे, फरूर्खाबाद से 15.10 बजे, मैनपुरी 16.37 बजे, शिकोहाबाद से 17.49 बजे, टुण्डला से 19.05 बजे, ईदगाह से 20.05 बजे, भरतपुर से 21.22 बजे, गंगापुर सिटी से 22.33 बजे, दूसरे दिन कोटा से 00.35 बजे, रतलाम से 04.05 बजे तथा गोधरा से 06.15 बजे छूटकर वड़ोदरा से 08.00 बजे पहुंचेगी।

इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, जनरेटर सह लगेज यान का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

मास्टरमाइंड राम खिलावन बना गैंग लीडर गैंग में 14 सदस्य

कानपुर। स्टाफ ऑफिसर राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि यह गिरोह संगठित तरीके से अपराध करता है। जमीन और संपत्ति के कब्जे के लिए मारपीट और हत्या तक करा चुका है। कानपुर समेत आसपास के जनपदों में भी सक्रिय है। कानपुर कमिश्नरी पुलिस ने डरा धमका, कूटरचित दस्तावेजों से फर्जी रजिस्ट्री कराकर, संपत्ति कब्जाने, मारपीट करने और हत्या कराने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड रामखिलावन और 13 अन्य सदस्यों पर गैंगस्टर लगाया है। राम खिलावन को गैंग लीडर बनाया गया है। इसमें मास्टरमाइंड राम खिलावन समेत चार सदस्य जेल में और 10 बाहर हैं। गैंग को इंटर रेंज 10 नंबर दिया गया है। यह कार्रवाई मंगलवार की शाम को हुई। स्टाफ

ऑफिसर राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि यह गिरोह संगठित तरीके से अपराध करता है। जमीन और संपत्ति के कब्जे के लिए मारपीट और हत्या तक करा चुका है। कानपुर समेत आसपास के जनपदों में भी सक्रिय है। रामखिलावन के खिलाफ सोमवार को भी दीनू गैंग से संपर्क रखने पर गैंगस्टर की कार्रवाई हुई है। जेल में निरुद्ध नवाबगंज के परमियापुरवा निवासी रामखिलावन (गैंग लीडर), लाल बंगला निवासी सुषमा अवस्थी, लाल बंगला निवासी मनोज कुमार अवस्थी, परमियापुरवा निवासी सुधीर कुमार मिश्रा। सदस्य अभी बाहर नवाबगंज का आजादनगर निवासी मनोज उर्फ लाला, नवाबगंज के भोपालपुरवा का आलोक, पनकी रतनपुर का नितेश, सीएसए कैंपस निवासी राजेश, आजादनगर का शमशाद आलम, फजलगंज का धर्मेंद्र कुमार वर्मा, फरुर्खाबाद के मुहम्मदाबाद का डॉ. सुबोध दीक्षित, चौबेपुर निवासी दिलनियाज उर्फ रेहान, चौबेपुर बूढ़नपुर का रोहित यादव, बिठूर क्षेत्र का अंकित यादव। दीनू गिरोह में भी रामखिलावन का नाम रामखिलावन का अपना गैंग हो गया है, लेकिन उसका नाम पुलिस ने दीनू गैंग से भी जोड़ दिया है। जमीन और संपत्ति के खेल में दीनू के इशारे पर कार्य करता था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक दोनों ही गैंग अलग अलग हैं जबकि दीनू के साथ मिलकर कई कार्य किए हैं। अब अगर आरोपियों के नाम बढ़ते हैं तो गिरोह के सदस्यों की संख्या भी बढ़ जाएगी।

बाइकों की भिड़ंत, प्रतापगढ़ में तैनात एसआई की मौत

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में सड़क हादसे में एसआई की मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। कोतवाली क्षेत्र की पुलिस ने शव को पास्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के नरथुआं-उगापुर पेट्रोल पंप के पास बुधवार को दोपहर में बाइकों की टक्कर में उप निरीक्षक राजन बिंद 32 निवासी हीरापुर की मौत हो गई। वह प्रतापगढ़ में उप निरीक्षक पद पर तैनात थे। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सीसीटीवी के फुटेज से बाइक सवार की तलाश में जुट गई है। औराई के हीरापुर उगापुर गांव निवासी राजन बिंद प्रतापगढ़ में उप निरीक्षक पद पर तैनात थे। वह अपनी दादी की तेरहवीं में शामिल होने के लिए चार दिन पूर्व घर आए थे। बुधवार को औराई किसी काम के लिए गए थे। वहां से वापस लौटते समय जैसे ही नरथुआ पेट्रोल

पंप के सामने बाइक से सड़क पार होने लगे उसी दौरान विपरित दिशा से तेज रफ्तार से आ रही एक बाईक ने टक्कर मार दिया जिससे वह सड़क पर गिर पड़े तो वहीं दूसरी बाइक रौंदते हुए आगे निकल गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। आनन-फानन में उन्हें एक अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परसा जाफर में दिनदहाड़े दरवाजा तोड़कर चोरी

बस्ती। बेखौफ चोरों ने पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के परसा जाफर चौराहे से सोनहटी जाने वाले मार्ग पर स्थित एक घर को मंगलवार को दिन-दहाड़े खंगाल डाला। दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे चोर जेवरात व नगदी लेकर चंपत हो गए। वहां के बाबूलाल प्रजापति रोजीरोटी के लिए मुम्बई में रहकर काम करते हैं। गांव में उनकी पत्नी संगीता और तीन बच्चों के साथ रहते हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह बच्चे स्कूल व अन्य कार्य से बाहर गए थे। संगीता भी कुछ काम से आधे घंटे के लिए बाहर चली गईं। जाने से पहले ताला लगाया था। वापस करीब पौने 11 लौटने पर घटना की जानकारी हुई। संगीता के मुताबिक चोरों ने लोहे के सब्बल से दरवाजा तोड़ा और घर के अंदर घुस गए। अलमारी व बक्से को तोड़कर उसमें रखी सोने की तीन अंगूठी, पायल, नथिया, टीका, मोबाइल, मंगलसूत्र और 45 हजार नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना पाकर थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती महेश सिंह, चौकी प्रभारी हड़िया व डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची।

विश्व चैंपियन डी गुकेश को मिली लगातार दूसरी हार, महिलाओं के वर्ग में वैशाली की बढ़त बरकरार

गुकेश की यह लगातार दूसरी हार है क्योंकि इससे पहले वह पिछले दौर में अमेरिका के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा से भी हार गए थे। विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में भी लय हासिल नहीं कर सके और उन्हें ग्रीस के निकोलस थियोडोरो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। गुकेश की यह लगातार दूसरी हार है क्योंकि इससे पहले वह पिछले दौर में अमेरिका के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा से भी हार गए थे। गुकेश को प्रतियोगिता में बने रहने के लिए बाकी बची पांच बाजियों में से कम से कम चार जीतनी होंगी। मामेदेव के डिफेंस को नहीं भेद सके प्रज्ञानंद शीर्ष बोर्ड पर अर्जुन एरिगेसी को काले मोहरों से खेलते हुए शीर्ष पर चल रहे ईरान के परम मघसूदलू को रोकने में कोई परेशानी नहीं हुई। हालांकि मघसूदलू छह बाजियों में पांच अंक के साथ एकल बढ़त बनाए हुए हैं। एरिगेसी उनसे आधा अंक पीछे हैं।

सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम में सिंधिया ने मांगी क्षमा

जैन धर्म के बिना भारतीय इतिहास अधूरा: सिंधिया

ग्वालियर

सन्मति सुबल पावन वर्षा योग समिति एवं सकल जैन समाज के द्वारा मंगलवार को नई सड़क स्थित चंपाबाग बगीची में आचार्य सुबल सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हुए।

क्षमावाणी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सिंधिया ने कहा कि भारत का इतिहास जैन धर्म के इतिहास के बिना अधूरा है। जैन धर्म भारत की विचारधारा है। श्री सिंधिया ने कहा कि जैन संतो का आशीर्वाद सिंधिया परिवार के साथ हमेशा रहता है। जैन समाज की बड़ी विचारा धाराएं हैं इन्हें अपनाएं तो विश्व महान बन जाएगा। श्री सिंधिया ने कहा कि क्षमावाणी पर औपचारिकता नहीं होना चाहिए। मैं आज क्षमावाणी पर निवेदन करता हूं कि मेरे पूरे परिवार की ओर से जाने अनजाने में हुई गलती को क्षमा करें।

क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण : सुबल सागर

आचार्य श्री ने कहा कि मन पवित्र है तो सामने वाला व्यक्ति भी श्रेष्ठ और अच्छा दिखाई देता है। जब मन हमारा दोषी होता है सामने वाला कितना भी अच्छा हो वह भी बुरा दिखाई देता है। मन पवित्र है तो सब कुछ अच्छा है। सबसे पहले व्यक्ति के अंदर से क्रोध, मान, माया और लोभ को साफ करो। आचार्य श्री ने कहा कि किसी को क्षमा कर देना भी अच्छे व्यक्तित्व की पहचान है। यदि आदमी गलती कर दे, लेकिन उसके लिए माफी नहीं मांगे और कोई आदमी माफी मांगने पर भी सामने वाले को माफ न करे तो ऐसे लोगों के व्यक्तित्व में अहंकार संबंधी विकार पैदा हो जाता है। दोनों ही तरह के व्यक्ति अपराध से कभी मुक्त नहीं हो पाते हैं। व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है।

70 तपस्वियों का किया सम्मान

कार्यक्रम में पर्यूषण पर्व पर 10 दिनों तक व्रत करने वाले 70 व्रत तपस्वियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल उपस्थित रहे। संचालन विनय कासलीवाल एवं आभार निर्मल पाटनी ने व्यक्त किया।

गोपाचल पर वार्षिक मेला कल

पर्युषण पर्व के समापन पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गोपाचल पर्वत पर 11 सितम्बर को वार्षिक मेले का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर धार्मिक उल्लास और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिलेगा। जैसवाल जैन मंदिर के मंत्री शैलेन्द्र जैन ने बताया कि मेले का मुख्य आकर्षण दानाओली स्थित श्री दिगंबर जैसवाल जैन मंदिर से प्रात: 11 बजे निकलने वाली भव्य विमान शोभायात्रा होगी। आचार्य श्री सुबल सागर महाराज के सानिध्य में गाजे-बाजों एवं भक्तिमय धुनों के साथ भगवान की शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए गोपाचल पर्वत पहुंचेगी। पर्वत पर भगवान की मंगल वंदना एवं कलशाभिषेक की विधि सम्पन्न होगी। तत्पश्चात् आचार्य श्री के मंगल प्रवचन भी होंगे, जिनमें धर्म और सदाचार का संदेश दिया जाएगा।

जिन पर भगवान की कृपा होती है वे अहंकारी नहीं होते : राधेश्याम

जिन पर भगवान की कृपा होती है, वे न तो सुख में अंहकारी होते हैं और न दुख में दुखी होते हैं। यह तभी संभव है कि सतत भगवान का भजन पूजन और आराधन करते रहें। यह विचार पं. राधेश्याम महाराज ने दंदरौआधाम शताब्दीपुरम में वीकेयर द्वारा आयोजित हो रही श्रीमद् भागवत कथा एवं स्वास्थ्य यज्ञ के दूसरे दिन मंगलवार को व्यक्त किए। इस मौके पर संत कृपाल महाराज ने आरती की। उन्होंने कहा कि भगवान भी लीला तो ब्रह्मा भी उसे नहीं समझ पाते हैं। इंसान के लिए तो भगवान की लीलाओं को समझने का सामर्थ्य नहीं हैं। भगवान श्रीकृष्ण जब ग्वालों के

साथ लीला करने लगे। वे जब उनका झूठा खाने लगे तो ब्रह्मा को भी लगा कि ये भगवान कैसे हो सकते हैं। उन्होंने परीक्षा लेने के लिए ग्वाल बालकों का हरण कर लिया। उन्हें लगा कि साधारण ग्वाल बाल होगा तो रोएगा, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी लीला से उतने ही ग्वाल बाल बना दिए, जो एक वर्ष तक रहे। उसके बाद जब ब्रह्मा ने असली ग्वाल बालों को वापस कर दिया, तभी श्रीकृष्ण ने लीला से बनाए ग्वाल बालों को अदृश्य कर दिया। इस मौके पर कथा परीक्षत साधना राजीव कोठारी, भास्कर शर्मा, एसके शुक्ला, जीडी नागाइच, संदीप रावत, भास्कर शर्मा आदि उपस्थित रहे।

हरि नाम संकीर्तन से जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं

श्रीकृष्ण कॉलोनी में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में स्वामी रामेश्वरानंद महाराज ने कहा कि जीवित रहने के लिए जितनी आवश्यकता श्वांसों की है ठीक उतनी ही अनिवार्य आवश्यकता निरंतर हरि नाम सुमिरन की है। हरि नाम संकीर्तन से जन्म जन्मों के पाप समूल नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि कलयुग में तो नाम जप की शक्ति अपार है, केवल नाम सिमरन मात्र से व्यक्ति को धर्म अर्थ काम और मोक्ष की प्राप्ति संभव है। उन्होंने कहा कि हमें देखना चाहिए कि अगर हमारे घर के आसपास कोई दीन दुखी या कोई भोजन या धन के अभाव से परेशान है तो हमें उसके दुख को दूर करने का प्रयास अवश्य करना चाहिए। कथा के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।

तृतीया का श्राद्ध आज

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार तृतीया श्राद्ध 10 सितम्बर बुधवार को किया जाएगा। जबकि चतुर्थी श्राद्ध गुरुवार को होगा। वहीं प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया कि महाराष्ट्र ब्राह्मण सभा ग्वालियर द्वारा सामुहिक भरणी श्राद्ध कार्यक्रम 12 सितंबर को ढोलीबुआ पुल स्थित वैकुंठ धाम में होगा।

25 मिनट इंतजार के बाद गिरा फूल

ग्वालियर। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार की शाम को 6: 45 बजे गोरखी स्थित देवघर में बाबा मंसूर शाह की पूजा-अर्चना विधि विधान से की। पूजा के उपरांत रात्रि 7:25 श्री सिंधिया को पुष्प के रूप में मंसूर शाह का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। पूजा योगेश वाजपेयी द्वारा कराई गई।

ज्योतिष के माध्यम से 200 लोगों की समस्याओं का समाधान खोजा

ग्वालियर। मॉडर्न एस्ट्रो रिसर्च सोसाइटी के तत्वावधान में जीवायएमसी क्लब में मार्स संस्था के संस्थापक स्व. रमेश वायगांवकर की द्वितीय पुण्यतिथि पर ज्योतिष परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 200 लोगों को ज्योतिष परामर्श देकर उनकी समस्याओं का समाधान भी खोजा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो.राजेन्द्र बांदिल रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में व्यक्ति की तन, मन और धन को लेकर जो समस्याएं बनी हुई हैं उसका समाधान मेडिकल के साथ-साथ ज्योतिषीय उपायों के द्वारा अगर किया जाए तो व्यक्ति ज्यादा अच्छे से रिकवर कर सकता है। शिविर में हरीश शर्मा, आरएन दुबे, रवि जैन, श्रीमती सीमा नायक, नीता शुक्ला, रजनीश यादव, जगदीश अरोड़ा, मनोज द्विवेदी, वंदना शर्मा, नवनीत पचौरी आदि ने लोगों की कुंडली और हस्तरेखा द्वारा मार्गदर्शन किया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष सुनील शर्मा एवं महासचिव नीरा विश्वकर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बिजली बचत के लिए एनर्जी ऑडिट की सकारात्मक पहल

ग्वालियर । फिजूलखर्ची रोकने और बिजली बचत के लिए नगर निगम एनर्जी ऑडिट की दिशा में काम कर रहा है । सहायक यंत्री विद्युत रामबाबू दिनकर ने बताया कि निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर एनर्जी ऑडिट की नई पहल की जा रही है , जिसके लिए निविदा जारी कर दी गई है। निगम द्वारा की जा रही एनर्जी ऑडिट से बिजली बिल में कमी और आत्मनिर्भर निकाय बनने का प्रयास जारी है। सहायक यंत्री दिनकर ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में अब तक कुल 3685 एलटी कनेक्शन और 16 एचटी कनेक्शन को चिन्हित किया जा चुका है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं स्वच्छ वायु दिवस पर निगम ने निकाली ईवी रैली

ग्वालियर

इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं स्वच्छ वायु दिवस पर शहर के नागरिकों को वायु प्रदूषण के प्रति जागरूक करने के लिए नगर निगम द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन रैली निकाली गई। इलेक्ट्रिक वाहन रैली को महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार एवं सभापति मनोज सिंह तोमर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं स्वच्छ वायु दिवस पर लगभग 200 इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा रैली बैजाताल से प्रारंभ होकर, नदी गेट, ज्येन्द्रगंज, पाटनकर बाजार, दौलतगंज, महाराजबाडा, सराफा बाजार, डीडवाना ओली, राम मंदिर, छप्पर वाला पुल, शिंदे की छावनी, फूलबाग चौराहा, लक्ष्मीबाई समाधि स्थल, पडाव न्यू ब्रिज, मोटल तानसेन, निगम मुख्यालय सिटी सेंटर होते हुए समापन बाल भवन पर हुआ। समापन के अवसर पर महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने सभी को नशा मुक्ति, वायु प्रदूषण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इलेक्ट्रिक वाहन रैली का उद्देश्य शहरी क्षेत्र में डीजल, पेट्रोल चलित वाहनों से निकलने वाले धुएं के कारण वायु में कार्बन मोनो ऑक्साइड, नाइट्रोजन के ऑक्साइड, कार्बन डाई ऑक्साइड इत्यादि गैसों के घुलने के कारण शहरी वायु गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव देखा जा रहा है। वायु सुधार की दृष्टि से शहरी सीमा के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जनमानस को जागरूक करने व अधिकतम इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी चलित वाहनों अथवा सार्वजनिक वाहनों से आवागमन करने के लिए प्रेरित हेतु नगर निगम द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन रैली का आयोजन किया किया।

विनोद शर्मा हिंदी सलाहकार समिति में सदस्य मनोनीत

ग्वालियर, । पत्रकार

विनोद शर्मा केंद्रीय संचार मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में सदस्य नियुक्त किए गए हैं। यह नियुक्ति केंद्रीय दूरसंचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पहल पर की गई है।

ठेकेदारों ने भी शुरू कीं सड़कों की पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए वर्षा में खराब हुई शहर की सड़कों पर स्वयं व ठेकेदारों के माध्यम से पेंच रिपेयरिंग कराई जा रही है। इस क्रम में मंगलवार को ग्राम तुरारी एवं लखनौती में गारंटी पीरियड की सड़कों पर ठेकेदार किशन मुदगल से पेंच रिपेयरिंग कराई गई। इसके साथ ही राम मंदिर से ऊंट पुल, चेतकपुरी से विवेक विहार मोड़, रजिस्ट्रार ऑफिस मोड़ से पहले, नारायण विहार कालोनी, आनंद नगर दरगाह के पास, रेलवे क्रासिंग तानसेन नगर, पटेल नगर एसपी ऑफिस के बगल वाली रोड, कृष्णा डेयरी तानसेन नगर, सांई बाबा मंदिर के पास, आरपी कालोनी, विक्की फैक्ट्री, महलगांव में पीएम आवास कालोनी आदि सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग कार्य कराया गया।

वंदे भारत से टकराई गाय, इंटरसिटी के ब्रेक जाम, यात्रियों को करना पड़ा इंतजार

ग्वालियर

मंगलवार शाम दो अलग-अलग घटनाओं के कारण ट्रेनों की रफ्तार थम गई और यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। पहली घटना हजरत निजामुद्दीन से रानी कमलापति जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ हुई। बानमोर स्टेशन के पास शाम 5.18 बजे ट्रेन के इंजन से दो गायें टकरा गईं। एक गाय तो निकल गई, लेकिन दूसरी इंजन में फंस गई। रेलवे कर्मचारियों और आसपास के ग्रामीणों ने मिलकर काफी मशक्कत के बाद गाय को बाहर निकाला। इसके बाद ट्रेन 5.38 बजे ग्वालियर की ओर रवाना हो सकी। नतीजतन, यह ट्रेन ग्वालियर स्टेशन पर अपने निर्धारित समय 5.38 बजे की बजाय 5.58 बजे पहुंची। लगभग 20 मिनट की इस देरी के दौरान प्लेटफॉर्म नंबर एक पर यात्रियों की भीड़ जमा रही। दूसरी ओर खजुराहो से उदयपुर जा रही खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को डबरा से ग्वालियर के बीच ब्रेक जाम की समस्या का सामना करना पड़ा। खराबी के कारण ट्रेन रुकते-रुकते ग्वालियर स्टेशन तक पहुंची और उसे प्लेटफॉर्म नंबर चार पर खड़ा किया गया। सूचना मिलते ही सीएनडब्ल्यू विभाग की टीम ने इंजन की जांच शुरू की। ट्रेन ग्वालियर में 3.42 बजे आई और मरम्मत के बाद 4.12 बजे आगरा की ओर रवाना हो सकी। इस दौरान झेलम और गतिमान एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म नंबर दो से निकाला गया। दोनों घटनाओं के चलते यात्रियों को असुविधा झेलनी पड़ी, हालांकि रेलवे अधिकारियों और इंजीनियरों ने त्वरित कार्रवाई कर स्थिति को संभाल लिया।

पूर्व प्रांताध्यक्ष से 21 साल के चंदे का हिसाब मांगा जाएगा: मौर्य

ग्वालियर। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) में आंतरिक विवाद तेज हो गया है। प्रांताध्यक्ष चौधरी मुकेश मौर्य ने कहा है कि सेवानिवृत्त पूर्व प्रांताध्यक्ष जे.एन. कंसोटिया से संगठन के नाम पर पिछले 21-22 वर्षों में एकत्रित किए गए चंदे का हिसाब अतिशीघ्र लिया जाएगा। चौधरी मौर्य ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया अरेरा हिल्स और एसबीआई तुलसी नगर, भोपाल से अवैध रूप से लगभग 65 लाख रुपये निकाले गए हैं। यदि यह राशि शीघ्र ही अजाक्स खाते में जमा नहीं कराई गई, तो पूर्व प्रांताध्यक्ष जे.एन. कंसोटिया और पूर्व कोषाध्यक्ष डॉ. मथुरा प्रसाद के खिलाफ पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया जाएगा।

आईटीएम में आयोजित रक्तदान शिविर में 25 यूनिट रक्त संग्रह

ग्वालियर। आईटीएम विश्वविद्यालय के तुरारी परिसर में रेड क्रॉस सोसायटी और रोटरी क्लब के सहयोग से मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वाइस चांसलर प्रो. योगेश उपाध्याय और रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोहित जैन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, डीन अकादमिक डॉ. रंजीत सिंह तोमर, डीएसडब्ल्यू तृप्ति पाठक, एनएसएस और नर्सिंग स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा छात्रों की बड़ी संख्या मौजूद रही। वाइस चांसलर प्रो. उपाध्याय ने कहा कि रक्तदान महादान है, जिससे किसी की जान बचाई जा सकती है। डीएसडब्ल्यू तृप्ति पाठक ने सभी स्वस्थ लोगों से नियमित रक्तदान को सामाजिक जिम्मेदारी समझने की

अपील की। डॉ. ओमवीर सिंह ने रक्तदान के स्वास्थ्य लाभ बताए, जबकि डॉ. रंजीत सिंह तोमर ने रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया और कहा कि 18 से 65 वर्ष तक के स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते हैं। शिविर में शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 25 यूनिट रक्त संग्रह कर रेड क्रॉस सोसायटी को दान किया गया।

विश्व फिजियोथेरेपी सप्ताह के तहत हुए कार्यक्रम

ग्वालियर

विश्व फिजियोथेरेपी सप्ताह के अवसर पर पैरामेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान ग्वालियर, व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज़ और जीवाजी विश्वविद्यालय के छात्रों एवं विशेषज्ञों ने विभिन्न जागरूकता शिविरों, वर्कशॉप और कैंप के माध्यम से लोगों को फिजियोथेरेपी के महत्व और लाभों से अवगत कराया।

जीवाजी विवि के छात्रों ने लखनऊ वर्कशॉप में भाग लिया

जीवाजी विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के बीपीटी कोर्स के छात्रों ने लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की फिजियोथेरेपी वर्कशॉप में भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन थेरेप्युटिक टैपिंग स्पेशलिस्ट डॉ. रोहित श्रीवास्तव पी.टी. ने किया। छात्रों को मरीजों पर सीधे अभ्यास करने का अवसर मिला, जिससे उन्हें सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान दोनों प्राप्त हुआ। प्रो. नवीन गरुण ने बताया कि छात्रों को अस्पतालों में प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है, ताकि वे राष्ट्रीय सेमिनार और वर्कशॉप में सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

नारायण वृद्धाश्रम में जागरूकता अभियान

कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान और कॉलेज ऑफ लाइफ साइंसेज के तत्वावधान में नारायण वृद्धाश्रम, लक्ष्मीगंज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष फिजियोथेरेपी जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. शशांक आपटे, डॉ. दिनेश बंगइया और डॉ. डिंकी अरोरा ने स्वास्थ्य आयु-वृद्धि, हेल्थी एजिंग, नियमित आसन, श्वसन अभ्यास और सरल फिजियोथेरेपी तकनीकों के माध्यम से जीवन को रोगमुक्त और सक्रिय बनाने के उपाय बताए। कार्यक्रम में वृद्धजनों की दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान किया गया और अंत में सभी को खाद्य सामग्री वितरित की गई।

व्हीआईएसएम अस्पताल में शिविर

व्हीआईएसएम कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में छात्रों ने नाट्य मंचन, जागरूकता सत्र और डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से फिजियोथेरेपी के महत्व को दर्शाया। साथ ही विशेष फिजियोथेरेपी कैंप में बड़ी संख्या में मरीजों ने नि:शुल्क परामर्श और थैरेपी प्राप्त की। संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि नियमित व्यायाम और वैज्ञानिक फिजियोथेरेपी तकनीकें न केवल दर्द कम करती हैं, बल्कि शरीर को सक्रिय, ऊर्जावान और संतुलित बनाती हैं। कार्यक्रम में चेयरपर्सन सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह, प्राचार्य और समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अमानक बीज विक्रेता का पंजीयन निरस्त

ग्वालियर। जिले में किसानों को गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग द्वारा निरंतर जांच की जा रही है। इसी क्रम में बीज निरीक्षक/वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड डबरा ने मैसर्स अनाविया एग्रोटेक कंपनी, प्रोपराइटर मोहम्मद अहमद अंसारी के धान बीज (किस्म पीबी-1509सी/एस) का नमूना लेकर प्रयोगशाला भेजा। प्रयोगशाला रिपोर्ट में बीज अमानक पाए जाने के बाद कंपनी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। कंपनी द्वारा संतोषजनक उत्तर न देने और बीज अधिनियम 1986 एवं बीज नियंत्रण आदेश 1983 का उल्लंघन पाए जाने के कारण बीज विक्रय पंजीयन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया।

रेलवे स्टेशन से लापता तीन साल की बच्ची, लोकेशन मिलने पर जीआरपी टीम एटा और कासगंज रवाना

ग्वालियर

ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक से करीब 16 दिन पहले लापता हुई तीन साल की बच्ची का सुराग अब उत्तर प्रदेश में मिला है। जानकारी के अनुसार बच्ची की लोकेशन एटा और कासगंज में ट्रेस हुई है। इसी आधार पर मंगलवार को जीआरपी की एक टीम बच्ची की तलाश में रवाना हो गई।

बच्ची के गायब होने के बाद से खोज अभियान लगातार चल रहा है, लेकिन रेलवे स्टेशन पर लगे सीमित सीसीटीवी कैमरों के कारण जांच में दिक्कतें आ रही थीं। प्लेटफॉर्म पर ही कैमरे लगे होने से बच्ची के बाहर निकलने के बाद के फुटेज नहीं मिल पाए। वहीं सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन के बाहरी हिस्से में कैमरे न होने से पुलिस को पुख्ता सुराग नहीं मिला। इतना ही नहीं, पिछले कई दिनों से पड़ाव और स्टेशन क्षेत्र के कुछ कैमरे बंद पड़े होने से भी जांच प्रभावित हुई। इससे पहले जीआरपी की टीमें भिंड, डबरा और आसपास के इलाकों में सर्च कर चुकी हैं। बस स्टैंड पर भी लगातार कई दिनों तक तलाश की गई, लेकिन बच्ची के संबंध में कोई खास जानकारी नहीं मिली। अब एटा और कासगंज से मिले लोकेशन इनपुट पर पुलिस को उम्मीद है कि बच्ची जल्द मिल जाएगी।

इनका कहना है

बच्ची की तलाश में टीम एटा और कासगंज गई है। वहां उसकी लोकेशन होने की जानकारी मिली है। इससे पहले भी टीमें आसपास के कई क्षेत्रों में सर्च कर चुकी हैं।

बबीता कठेरिया
टीआई जीआरपी

सम्पादकीय

बेहाल नेपाल

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगाने के बाद उग्र हुआ आंदोलन आखिरकार संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। बहरहाल इस हिंसक प्रतिकार में 19 से अधिक युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दरअसल, शुरूआत में सोशल मीडिया साइटों पर एक विवादास्पद प्रतिबंध ने युवा नेतृत्व वाले जेन-जेड समूह के गुस्से को भड़का दिया। यह समूह सत्ता के शीर्ष पदों पर कथित भ्रष्टाचार और उनकी संतानों के विलासी जीवन के खिलाफ अभियान चला रहा था। इस युवा ब्रिगेड ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दावा किया कि मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की संतानों की फिजूलखर्ची भरी जीवनशैली अवैध धन-दौलत की बदौलत है। इस पोल-खोल अभियान से घबरायी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का असफल प्रयास किया। सरकार का यह दांव उस पर ही उलटा पड़ा और सरकार की ही विदाई हो गई। हालांकि, युवाओं का आक्रोश देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वैसे इस आंदोलन के दौरान जिस तरह हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। युवाओं की हिंसक भीड़ ने मंगलवार को संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया। दरअसल, आंदोलनकारी शासन व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे हैं। उनकी मांग रही कि सोमवार को पुलिस गोलाबारी में हुई मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दी जाए। अराजकता और अव्यवस्था के बीच, काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर, बालेन शाह, एक प्रभावशाली हितधारक के रूप में उभरे हैं। इस पैंतीस वर्षीय पूर्व रैपर ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करके जेन-जेड का विश्वास जीता है। उन्होंने संसद भंग करने की मांग की है। जिसके बाद सैन्य अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई। निस्संदेह, मौजूदा वक्त में सेना की बड़ी भूमिका होने के बाद अब उसके व सुरक्षा एजेंसियों के लिये तात्कालिक चुनौती अस्थिर स्थिति पर नियंत्रण और सामान्य स्थिति को बहाल करने की होगी। आने वाले दिनों में व्यवस्थागत सुधारों के रोडमैप पर चर्चा के साथ बातचीत के जरिये संकट का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, ओली और उनके पूर्ववर्तियों की नीतियों की विफलता ने युवाओं में निराशा व मोहभंग को बढ़ावा दिया है। वहीं इस उथल-पुथल के मूल में नेपाली अर्थव्यवस्था का संकट भी है, जो पर्यटन और प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम पर निर्भर रही है। विडंबना यह है कि इन दोनों स्रोतों में पिछले वर्षों में कमी आई है। बेरोजगारी दर का बीस फीसदी के आसपास होना युवाओं के आक्रोश को तार्किक बनाता है। दरअसल, सरकार युवाओं की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने में नाकाम ही रही है। आये दिन नेताओं द्वारा किए जाने वाले वायदों से खिन्न युवा धरातल पर बदलाव देखना चाहते हैं। बहरहाल, मौजूदा उथल-पुथल ने नेपाल को एक नई शुरूआत करने का अवसर जरूर दिया है। वहीं भारत के लिये भी यह सचेतक घटनाक्रम है कि उसके पड़ोस में श्रीलंका, बांग्लादेश के बाद नेपाल में जनाक्रोश में विदेशी जमीन से संचालित सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। युवाओं की आकांक्षाओं और रोजगार की चुनौती को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, सोशल मीडिया ने युवाओं की आकांक्षाओं को सातवें आसमान पर पहुंचाया है और हकीकत में हमारा धरातल खासा खुरदरा है।

नेपाल में फिर राजनैतिक उथल-पुथल

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के सरकार के फरमान के बाद युवाओं ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन शुरू किया, जिसने हिंसक रूप ले लिया और एक ही दिन में कम से कम 20 नौजवानों के मारे जाने की खबर है। कुछ समय पहले बांग्लादेश और श्रीलंका इन दो पड़ोसी देशों में आंदोलन हुए थे, जिसमें अराजक भीड़ ने राष्ट्रपति निवास को निशाना बनाकर तोड़-फोड़, लूटमार मचाई थी, अब वैसे ही दृश्य नेपाल से सामने आ रहे हैं। राजधानी काठमांडू समेत कई इलाकों में आगजनी, तोड़फोड़ और पथराव की घटनाएं हुई हैं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के निजी आवास पर प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इसके अलावा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के नेता रघुवीर महासेठ और माओवादी अध्यक्ष प्रचंड के घरों पर भी हमला हुआ। गृहमंत्री रमेश लेखक, कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी, स्वास्थ्य मंत्री समेत पांच मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं। नेपाली सेना के प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल ने प्रधानमंत्री के पी ओली को सत्ता छोड़ने की सलाह दी थी, जिसके बाद मंगलवार दोपहर श्री ओली ने इस्तीफा दे दिया। वैसे इससे पहले उनके इलाज के लिए दुबई जाने की खबर थी। प्रधानमंत्री के अलावा राष्ट्रपति ने भी अपना पद छोड़ दिया है। गौरतलब है कि केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) नेपाली कांग्रेस के समर्थन से सत्ता में है, लेकिन अब नेपाली कांग्रेस की तरफ से भी सत्ता से अलग होने या अपनी सरकार बनाने का दावा करने के संकेत नहीं मिले हैं। इस बीच काठमांडू के मेयर बालेन शाह को सोशल मीडिया पर सत्ता संभालने के लिए कहा जा रहा है, जिनकी लोकप्रियता युवाओं के बीच तो है, लेकिन क्या नेपाल जैसे चुनौतियों से भरे देश को संभालने की क्षमता क्या उनमें होगी, यह बड़ा सवाल है। गौरतलब है कि 2008 में राजशाही के खात्मे के बाद से नेपाल लोकतंत्र को सुचारू करने के लिए जूझ रहा है। राजनैतिक अस्थिरता, मतलब के गठजोड़, सत्ता की चाहत यह सब नेपाल में लोकतंत्र को ठीक से जड़ पकड़ने नहीं दे रहे हैं। जिन लोगों के हाथों में भी सत्ता रही है, वे राजशाही का विरोध तो कर रहे हैं, लेकिन अपने नेतृत्व को भरोसेमंद नहीं बना पा रहे हैं। कमजोर अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार इन

सबसे जनता त्रस्त होती जा रही है। खासकर आज की पीढ़ी जिसे जेन-जी कहा जाता है, उसने राजशाही के दुष्प्रभाव नहीं देखे, लेकिन जिस लोकतांत्रिक सरकार को वह देख रही है, वो उसकी उम्मीदों पर पूरी नहीं उतरी है। इसलिए इस समय नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं का गुस्सा सबसे अधिक फूटा है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध पर नाराजगी तो केवल आवरण है, उसके भीतर आम युवा के गुस्से का लावा उबल रहा है। इसलिए सरकार ने प्रतिबंध वापस ले लिए, फिर भी आंदोलन शांत नहीं हो रहा है। सोमवार से सोशल मीडिया पर हैशटैग नेपोकिड ट्रेंड में है। इस हैशगैट के साथ नेपाल के नौजवान अपने नेताओं के बच्चों की लग्जरी कारें, ब्रैंडेड कपड़े, महंगी घड़ियां और विदेशी दौरे के वीडियो और फोटो वायरल कर रहे हैं। इन नौजवान का संदेश है कि आम आदमी जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहा है और नेताओं के बच्चे हर सुख-सुविधा भोग रहे हैं। सोमवार को जब नौजवान संसद परिसर तक में पहुँच गए थे, तो इनका नारा था- हमारे टैक्स और तुम्हारी रईसी। इस तरह के नारों से जाहिर है कि आज का युवा, जिसके पास सोशल मीडिया के जरिए पूरी दुनिया की खबरें पहुंचती हैं, वह अब सत्ता की मनमानी या दमन को अपनी किस्मत मानकर चुपचाप सहता नहीं है, बल्कि उसके खिलाफ आवाज उठाता है। इस तरह के लगभग नेतृत्व विहीन आंदोलनों का भविष्य क्या होता है, इनमें किस तरह की अराजकता फैलती है, राष्ट्र की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं, ये सारी बातें चिंता की तो हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि इन चिंताओं की आड़ में युवा पीढ़ी के रोष को खारिज किया जाए तो इसके परिणाम और घातक हो सकते हैं। फिलहाल नेपाल का राजनैतिक भविष्य एक बार फिर डांवडोल दिख रहा है। बेशक प्रत्यक्ष तौर पर सोशल मीडिया प्रतिबंध और अप्रत्यक्ष तौर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन खड़ा हुआ और इसमें युवा ही आगे रहे, लेकिन इसके पीछे क्या वैश्विक ताकतों का भी हाथ है, इसका विश्लेषण भी होना चाहिए। नेपाल के साथ चीन जल्द ही 10 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास करने जा रहा है। भारत की सीमा से लगे नेपाल में चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश तीनों की गतिविधियों पर खुफिया एजेंसियों की निगाहें बनी रहती हैं, क्योंकि अन्य सीमाओं की अपेक्षा नेपाली सीमा का इस्तेमाल इनके लिए आसान रहता है। नेपाल में एकदम से जो आंदोलन के जरिए हिंसा भड़की है और सरकार अस्थिर हुई है, उसकी टाइमिंग पर भी सवाल उठते हैं, क्योंकि इस समय बिहार में चुनाव की हलचल है। सीमांत प्रदेश होने के कारण नेपाल की घटनाओं का असर बिहार पर पड़ना स्वाभाविक है। इस बात को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है कि कहीं नेपाल के हालात का इस्तेमाल बिहार चुनाव को प्रभावित करने के लिए न किया जाए। भारतीय भोजन वैसे नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले की भारत के मीडिया में काफी आलोचना हुई। नेपाल को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी का पाठ कई नामचीन एंकरों ने पढ़ा दिया, लेकिन मणिपुर, जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में न जाने कितने बार, कितने-कितने दिनों के लिए इंटरनेट काटा गया, तब यहां के लोगों के अधिकार मीडिया को याद नहीं आए। खैर, फिलहाल नेपाल पर अतिरिक्त सावधानी से काम लेने की जरूरत है। श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अब नेपाल भारत से लगे तमाम देशों में जिस राजनैतिक अस्थिरता या सैन्य तंत्र के हावी होने का सिलसिला चल रहा है, वो याद दिलाता है कि आजाद होते साथ जो मजबूत लोकतंत्र देश को मिला, उसकी बदौलत हम कितने चौन से रह रहे हैं।

नयी पीढ़ी को बताएं पूर्वजों की प्रेरक कहानियां

पिछले साल पितृ पक्ष के दिनों की बात है। मैं अपने मित्र के घर गया। शाम का समय था। उसके घर के आंगन में मिट्टी के कुछ दीपक टिमटिमा रहे थे। धूप बत्ती की भीनी-भीनी सी सुगंध वातावरण में घुली हुई थी। घर मानो मंदिर बन गया हो। मित्र के हाथों में अपनी मां की एक धुंधली सी ब्लैक एंड व्हाइट फोटो थी। वो अपने बेटे को इस तस्वीर में कैद यादों की दुनिया में ले जा रहे थे-ये तुम्हारी दादी थीं बेटा! मित्र की आवाज में गहरी श्रद्धा थी - जिन्होंने जीवन भर सादगी और दया के भाव का दीपक जलाये रखा। गांव में यदि किसी गरीब के घर चूल्हा न जलता, तो वे चुपचाप अनाज व सब्जियां पहुंचा देती थीं। पड़ोस, गली-मोहल्ले के लोग तारीफ करते हुए कहते-बड़े दिल वाली है दादी मां। हर दिन दादी की रसोई का पहला ग्रास किसी भूखे के लिए आरक्षित रहता था। मित्र लगातार अपने बेटे को उसकी दादी के प्रेम और दया भाव के किस्से सुनाए जा रहा था। बच्चा बड़ी उत्सुकता से यह सब सुन रहा था,जैसे कोई अनजानी कहानी उसके सामने जीवित हो उठी हो। मैं चुपचाप यह दृश्य देख रहा था। मेरे मन में विचार आया-क्या यही सच्चा श्राद्ध नहीं है? सच कहूं तो यह पल मेरे लिए एक सहज जागरण था। आज पितृ पक्ष का वास्तविक अर्थ मेरी समझ में आ गया था। मित्र के अपने बेटे को संबोधन के दौरान मुझे लगा कि श्राद्ध सिर्फ जल के अर्घ्य या पिंड दान के कर्मकांड तक ही सीमित नहीं है , बल्कि यह तो उससे कहीं अधिक गहरा और सार्थक है। ऐसे कर्मकांड निश्चित रूप से हमारी सनातन परंपरा की आधारशिला हैं। ये हमें हमारे पूर्वजों से जोड़ते हैं। वहीं हमारी सामूहिक स्मृति को जीवित बनाए रखते हैं। ऐसे कर्मकांड हमें कृतज्ञता व्यक्त करने का साधन प्रदान करते हैं। परंतु सच्चा श्राद्ध तभी पूर्ण होता है जब हम अपने पूर्वजों की कहानियों, उनके आदर्शों और उनके संस्कारों को अगली पीढ़ी की आत्मा में रोपित करें। दरअसल, परिवार की कहानियों का बच्चों पर गहरा असर पड़ता है। जब हम अपने बच्चों को दादा- दादी , नाना-नानी या पूर्वजों के संघर्षों और उपलब्धियों की कहानियां सुनाते हैं तो वे गौरवान्वित महसूस करते हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास पैदा होता है। चुनौतियों का सामना करने का आत्मबल भी बढ़ता है। वहीं ऐसे बच्चे अधिक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हैं। यह सच है कि जब परिवार के आदर्श और पूर्वजों की कहानियां बच्चों के हृदय में उतरती हैं, तब वे उनके जीवन के सबसे बड़े प्रेरणास्रोत बन जाते हैं। यही भाव एक विद्यालय की इस छोटी-सी घटना में झलकता हैकृएक बार एक विद्यालय के शिक्षक ने बच्चों से पूछा द तुम्हारे आदर्श कौन हैं? किसी ने खिलाड़ी का नाम लिया, किसी ने फिल्म अभिनेता का। किसी ने किसी संत-महात्मा को अपना आदर्श बताया तो किसी ने सामाजिक कार्यकर्ता को। लेकिन एक बच्चा चुपचाप बैठा रहा। शिक्षक ने कारण पूछा तो उसने धीरे से जवाब दिया सर मेरे आदर्श तो मेरे दादाजी हैं। वे बहुत साधारण से व्यक्ति थे, पर गांव के हर जरूरतमंद आदमी की मदद करते थे। जब भी किसी के ऊपर कोई मुसीबत आती, वे सबसे पहले वहां उसकी मदद करने पहुंच जाते। हालाकि आज वे हमारे बीच नहीं हैं, पर उनकी बातें और उनके संस्कार मेरे साथ हैं। शिक्षक भावुक हो गए द बेटा, यह जवाब बताता है कि तुम्हारे भीतर अपने परिवार के संस्कार की कितनी गहरी जड़ें हैं। यही वह ताकत है जो तुम्हें हर परिस्थिति में मजबूत बनाए रखेगी ।यूं तो पितृ पक्ष पूर्वजों को समर्पित श्रद्धा, भक्ति,स्मृति और कृतज्ञता का पर्व है। लेकिन हमे इस दौरान अपने बच्चों के साथ पूर्वजों की जानकारी भी साझा करनी चाहिए। श्रद्धा जहां हमे अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ बनाती है। स्मृति हमें उनकी कहानियों और मूल्यों का स्मरण कराती है। वहीं हमें बच्चों को अपने पूर्वजों की कहानियां सुनानी चाहिये ताकि अपने परिवार के संस्कारों को अगली पीढ़ी को सौंपा जा सके। इससे बच्चों में अपने परिवार और संस्कृति के प्रति गर्व और सम्मान की भावना जाग्रत होगी। बच्चे अपनी विरासत से परिचित होंगे और हमारे पूर्वजों को स्मृति अमर रहेगी।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं।प्रकृति केइस रौद्र रूप केपीछेमहज संयोग या कुदरत की नाराजगी को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओंने पहाड़ोंकेविकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं पेरेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-ह्लप्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं ह्व यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मयार्दा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है।

सामाजिक विषमताएं बनाम देश का आर्थिक विकास

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक, आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में विषमताओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंस देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा, तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

बोलीविया ने ब्राजील को हराया, क्वालिफाइंग प्लेऑफ में प्रवेश किया

बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। मिगुएल टेरसेरोस ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल किया जिससे बोलीविया ने मंगलवार को विश्व का फुटबॉल के दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में ब्राजील को 1-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित की। टेरसेरोस ने 45वें मिनट में गोल करके बोलिवियाई टीम को 2019 के बाद पहली बार घरेलू मैदान पर ब्राजील पर जीत दिलाई। प्लेऑफ टूनार्मेंट में छह देश शामिल होंगे और यह मार्च के अंतरराष्ट्रीय सत्र में खेला जाएगा, जिससे अगले वर्ष अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप के लिए अंतिम दो स्थानों का निर्धारण होगा। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। क्वालिफायर में तीसरे स्थान पर रहने वाली कोलंबियाई टीम ने स्ट्राइकर लुइस डियाज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेनेजुएला को 6-3 से हराकर बोलीविया की टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में मदद की।

तलाक के 2 साल बाद एक्स के प्यार में चारु असोपा

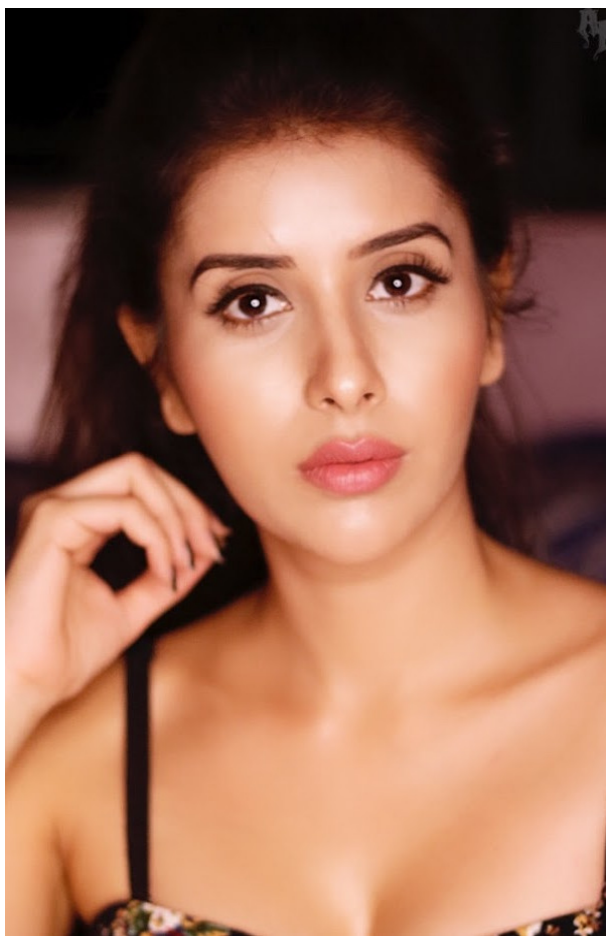

बेटी और एक्स पति संग मना रही हैं वेकेशन

एक्ट्रेस चारु असोपा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में रहती हैं।चारु असोपा का एक्स पति राजीव संग प्यार, शादी और फिर तलाक अक्सर चर्चा में रहता है। कभी दोनों एक-दूसरे पर इल्जाम लगाते रहते हैं तो कभी एक-साथ वेकेशन एंजॉय करते हैं। हाल ही में चारु ने एक्स पति राजीव संग गणेश चुतुर्थी सेलिब्रेट की थी। वहीं अब एक्ट्रेस बेटी जियाना और एक्स पति राजीव के साथ थाईलैंड वेकेशन पर हैं। उन्होंने वहां से कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। इस फोटो में वो राजीव के साथ बैठ पोज देती दिखीं। राजीव और चारु साथ में खुश नजर आ रहे हैं। लुक की बात करें तो चारु ब्लू कलर की हाई स्लिट ड्रेस कैरी की। इसी के साथ हाई हील्स भी पहने। चारु ने अपने लुक को हाई बन और लाइट मेकअप के साथ कंप्लीट किया।चारु का गॉर्जियस लुक सोशल मीडिया पर वायरल है।एक तस्वीर में चारु ब्राउन मिनी स्कर्ट में स्टाइलिश लग रही हैं। उन्होंने फोटोज शेयर कर लिखा-बैंकॉक से कुछ फन से भरी पिक्चर्स। बता दें कि चारु और राजीव ने 2019 में शादी की थी और 2023 में अलग हो गए थे। दोनों एक्सर एक-दूसरे पर आरोप भी लगाते रहते हैं लेकिन अब तलाक के बाद दोनों के साथ देखकर उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा है।

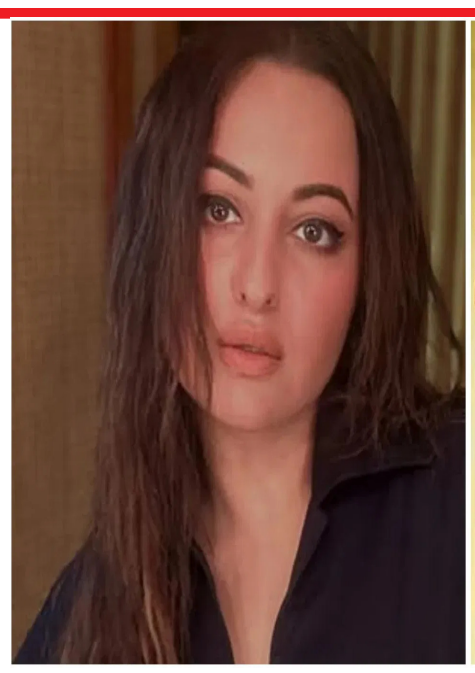

सन ऑफ सरदार 2 में दरकिनार किए जाने पर सोनाक्षी ने दी सफाई, कहा-आप अपमानित महसूस नहीं कर सकते

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा सन ऑफ सरदार फिल्म में नजर आई थीं, जिसमें उनके किरदार को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, इसके दूसरे भाग सन ऑफ सरदार 2 में मेकर्स ने उन्हें जगह नहीं दी। इसमें सोनाक्षी की जगह एक्ट्रेस मृणाल ठाकर ने मुख्य भूमिका निभाई। वहीं, अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अजय देवगन स्टारर फिल्म के दूसरे भाग में शामिल नहीं होने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में मीडिया से सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा नहीं होने पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जहां तक मैं देख सकती हूं कि सन ऑफ सरदार 2 फिल्म के लिए वे विदेश गए थे। इसलिए वही किरदार कहानी का हिस्सा नहीं हो सकता था। आप केवल इसके लिए अपमानित महसूस नहीं कर सकते। आपको व्यावहारिक होना होगा और प्रत्येक फिल्म को एक अलग प्रोजेक्ट के रूप में लेना होगा।बता करें फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की तो इसमें अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकर मुख्य भूमिका में नजर आईं थीं। इस फिल्म को विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित किया गया था। यह इसी साल 1 अगस्त को पर्दे पर रिलीज हुई, जिसे दर्शकों को खासा प्यार मिला। सोनाक्षी सिन्हा के काम की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही फिल्म जटाधारा में नजर आएंगी। इस फिल्म को कुश सिन्हा द्वारा निर्देशित किया गया है।

हॉलीवुड एक्टर कीनू रीव्स के नाम पर धोखाधड़ी, बुजुर्ग महिला से ठग लिए 65 हजार

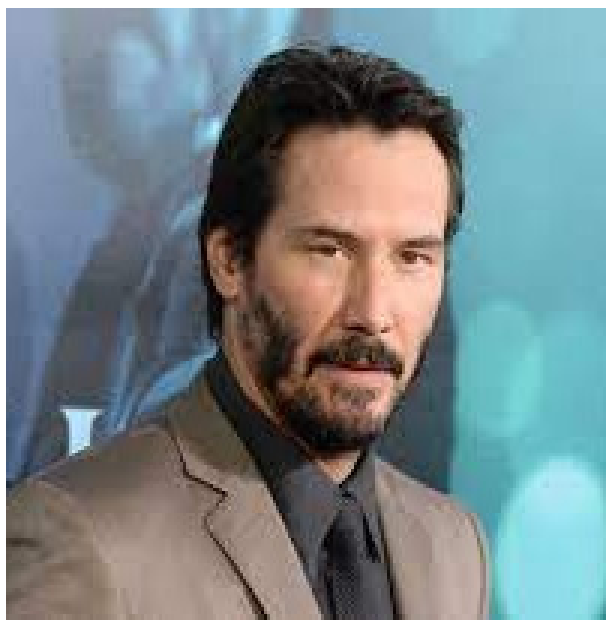

हॉलीवुड एक्टर कीनू रीव्स के नाम पर हाल ही में एक शख्स ने धोखाधड़ी की। शख्स ने एक्टर कीनू रीव्स बनकर एक महिला फैन से 65 हजार रुपए ठगे। पीड़ित महिला की बेटी ने वसोर्वा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया कि धोखेबाज ने उनकी मां को झांसे में ले लिया था। बुजुर्ग महिला वसोर्वा स्थित अपने घर में अकेली रहती है और उन्हें यह विश्वास दिलाकर धोखा दिया कि वह कीनू रीव्स से बात कर रही है। सोमवार को वसोर्वा पुलिस ने मामले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कथित तौर पर कीनू रीव्स के नाम पर महिला को ठगने के आरोप में एफआईआर दर्ज कर ली। एक धोखेबाज ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया और खुद को हॉलीवुड एक्टर किनू रीव्स बताया। उसने इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और व्हाट्सएप पर बुजुर्ग महिला कामत से बातचीत शुरू की और बताया कि वह उनसे मिलने मुंबई आने वाला है। महिला का विश्वास जीतक, उसने कहा कि भारत आने पर उसे भारतीय मुद्रा की जरूरत होगी और उसने कामत से अपने आईडीबीआई बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने को कहा। कामत को यकीन हो गया कि वह असली किनू रीव्स से बात कर रही है इसलिए कामत ने अपने केनरा बैंक अकाउंट से दिए गए आईडीबीआई खाते में 65,000 रुपए ट्रांसफर कर दिए। 30 जून को दोपहर 1रू57 बजे कामत को एक ईमेल मिला जिसे उनकी बेटी ने पढ़ा जिससे उन्हें शक हुआ। पैसे देहरादून स्थित एक बैंक में नाहर नाम के एक व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर किए गए थे। उन्होंने तुरंत अपनी मां से कॉन्टेक्ट किया और पता चला कि वह एक धोखाधड़ी का शिकार हो गई हैं फिर उन्होंने अपनी मां को किसी को भी पैसे ट्रांसफर न करने की सलाह दी। धोखेबाज ने इंस्टाग्राम हैंडल तममअमेऋ1390 और टेलीग्राम आईडी शमंदनऋतममअमे4576 के जरिए कामत से कॉन्टेक्ट किया था। 8 सितंबर को बुजुर्ग महिला की बेटी स्नेहा ने वसोर्वा पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और अब जांच जारी है।

पीएम मोदी के 75वें बर्थडे से पहले विवेक ओबेरॉय का बड़ा ऐलान

75 देशों में 7500 केंद्रों पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाएंगे एक्टर

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश-दुनिया में तगड़ी फैन-फॉलोइंग है। वहीं, बॉलीवुड इंडस्ट्री से भी कई ऐसे सेलेब्स हैं, जो पीएम मोदी और उनके कार्यों के हद से ज्यादा दीवाने हैं। उन्हीं स्टार्स में से एक हैं, एक्टर विवेक ओबेरॉय, जिन्होंने पीएम मोदी के 75 बर्थडे को खास बनाने के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, पीएम मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर एक्टर विवेक ओबेरॉय गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सबसे बड़े रक्तदान शिविर का आयोजन करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने का आग्रह भी किया है। इस कार्यक्रम के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए विवेक ओबेरॉय ने कहा, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद पिछले 11 साल से ये मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव चलाते आ रहे हैं। 2014 में हमने इसकी शुरूआत की थी। मैं इसका एंबेसडर बना और पहला रक्तदान मैंने ही किया था। उसी साल हमने 1,00,212 यूनिट ब्लड डोनेशन का रिकॉर्ड बनाया था। आगे उन्होंने कहा-इस बार का रक्तदान शिविर बहुत ही खास होने वाला है। पीएम मोदी के जन्मदिन के अवसर पर हम अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शिविर लगाएंगे। उनका 75वां जन्मदिन है, तो 75000 फर्स्ट डोनर्स होंगे। 75 देशों में 7500 केंद्रों पर रक्तदान करने के लिए हम कैंप लगाएंगे। हम सबके लिए यह बहुत बड़ा अवसर होगा। इस बार हमने 3 लाख से अधिक यूनिट ब्लड एकत्र करने का टारगेट रखा है। रक्तदान के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए विवेक ने कहा, ष्पहले मैं सुईं के नाम से ही डरता था, लेकिन जैसे मुझे रक्तदान की अहमियत के बारे में पता चला तो मैंने ब्लड डोनेशन करना शुरू किया। अब हर साल मैं रक्तदान करता हूं। मैं रक्तदान करने के बाद सुपरमैन जैसे फील करता हूं। विवेक ओबरॉय ने और कहा, ष्पीएम मोदी का जन्मदिन आ रहा है, मैं उन्हें शुभकामनाएं देना चाहूंगा। वह देश सेवा में जुटे हुए हैं। उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। समाज के हर तबके के लिए उन्होंने उल्लेखनीय काम किया, ये हमें बहुत प्रेरणा देता है। तो उनके जन्मदिन पर हमें कुछ ऐसा काम करने का प्रण लेना चाहिए जो देशहित में हो। बता दें, विवेक ओबरॉय साल 2019 में आई फिल्म पीएम नरेंद्र मोदी में पीएम का किरदार निभा चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन ओमंग कुमार ने किया था।

प्राइम वीडियो का नया अनस्क्रिप्टेड शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल है 25 सितंबर को ग्लोबल प्रीमियर के लिए तैयार

प्राइम वीडियो, जिसे इंडिया का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन माना जाता है, ने अपने सबसे ज्यादा इंतेजार किए जाने वाले टॉक शो ओप्पो प्रेजेंट्स टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल का ऐलान कर दिया है। यह शो कोहलर और कल्याण ज्वैलर्स द्वारा को-प्रेजेंट किया जा रहा है और इसका ग्लोबल प्रीमियर 25 सितंबर को होगा।इस टॉक शो का हर गुरुवार एक नया एपिसोड रिलीज किया जाएगा। बता दें कि यह प्राइम वीडियो का नया अनस्क्रिप्टेड ओरिजिनल शो है, जिसमें पहली बार करिश्माई काजोल और बेहद विटी ट्विंकल खन्ना को-होस्ट के रूप में एक साथ नजर आएंगी। इसके अलावा, शो के पहले सीजन में दर्शकों को बेहद शानदार और ग्लैमरस गेस्ट लिस्ट भी देखने को मिलेगी, जो इसे और भी खास बनाएगी। काजोल की एनर्जेटिक पर्सनैलिटी और ट्विंकल खन्ना के ट्रेडमार्क सेंस ऑफ ह्यूमर के साथ, यह टॉक शो जिसे बनिजे एशिया ने प्रोड्यूस किया है, वो दर्शकों को जाने माने कुछ सबसे बड़ी और नामी हस्तियों के साथ मनोरंजन का अनलिमिटेड डोज, बिना फिल्टर किए हुए पलों का मजा, ढेर सारी हंसी और सरप्राइज देने वाला है। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक का कहना है, टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल सिर्फ एक आम सेलिब्रिटी चौटर नहीं है, बल्कि यह स्टार-स्टडेड गेस्ट लाइनअप के साथ ताजा, सीधी और एंटरटेनिंग बातचीत का मेल होने वाला है। यह ऑडियंस को ढेर सारी हाजिर-जवाबी, दिल से किए गए खुलासे और थोड़ी-सी शरारत से भरे पल भी देगा। वो आगे कहते हैं, हमारा शो दो जबरदस्त होस्ट के इर्द-गिर्द है, जिनकी हाजिर-जवाबी और बेबाकी हर बातचीत में झलकती है, जो ऑडियंस को पूरी तरह से अपने साथ बांधे रखने वाली हैं। बानीजय एशिया और एंडिमोल शाइन इंडिया की ग्रुप चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर मृणालिनी जैन ने कहा, ष्टू मच शो में काजोल और ट्विंकल सिर्फ होस्ट के रूप में नहीं, बल्कि खास आवाजों, जिज्ञासु विचारों और मजबूत इंस्टिंक्ट्स वाली महिलाओं के रूप में दिखाई देंगी। बिना फिल्टर, मजेदार और पूरी तरह से ईमानदार तरीके से यह शो इस बारे में है कि वे क्या पूछना चाहती हैं, उन्हें किस बात की परवाह है, और वे खुद को कैसे पेश करती हैं। वह आगे कहती हैं, कुछ सेलिब्रिटी इस शो में ऐसी बाते बताएंगे जो हमने पहले कभी नहीं सुना होगा। प्राइम वीडियो में हमें एक ऐसा पार्टनर मिला है, जिसने ऐसे शो को सपोर्ट किया जो सिर्फ सेलिब्रिटी नहीं, बल्कि बातचीत को सेलिब्रेट करता है और यही बात इस फॉर्मेट को इतना नया बनाती है। गोल्डी पटनायक, हेड ऑफ पीआर एंड कम्युनिकेशंस ने कहा, ओप्पो का मकसद युवाओं को इंस्पायर करना है कि वो पल को जिएं, अपने पैशन को फॉलो करें और अपनी अनोखी कहानियां खुद बनाएं। प्राइम वीडियो के साथ हमारी ये पार्टनरशिप इसी सोच से मेल खाती है। इस नए टॉक शो का जो वाइब्रेंट और अनफिल्टर्ड फॉर्मेट है और साथ ही इसकी शानदार गेस्ट लिस्ट, यह जरूर उस जेनरेशन को कनेक्ट करेगी जो ऑथेंटिसिटी, क्रिएटिविटी और मायने रखने वाली बातचीत को सबसे ज्यादा महत्व देती है।रणजीत ओक, मैनेजिंग डायरेक्टर, ज्ञ-ठ साउथ एशिया, कोहलर ने कहा, कोहलर में हम हमेशा ओरिजिनैलिटी और बोल्ड वॉइसेज को सेलिब्रेट करने में यकीन रखते हैं। प्राइम वीडियो के साथ इस शानदार टॉक शो में पार्टनरशिप करना, जहां काजोल और ट्विंकल जैसी होस्ट होंगी, हमारे इसी सोच को दशार्ता है। हमें गर्व है कि हम ऐसे शो से जुड़े हैं, जो कस्टमर एक्सपीरियंस को अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट और कैंडिड कन्वर्सेशन के साथ और भी ऊंचा ले जाएगा।

सिंधू हॉन्ग-कॉन्ग ओपन में हारीं, डेनमार्क की प्रतिद्वंद्वी से हारकर टूनार्मेंट से बाहर

यह सिंधू की 25 वर्षीय क्रिस्टोफरसन के खिलाफ छह मैचों में पहली हार है। उन्हें यह हार ऐसे समय में मिली है जब वह फॉर्म में वापसी का संकेत दे रही थीं। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बुधवार को यहां तीन गेम तक चले मैच में डेनमार्क की गैरवरीय लाइन क्रिस्टोफरसन से हारकर हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूनार्मेंट से बाहर हो गईं। क्रिस्टोफरसन ने सिंधू को 21-15, 16-21, 19-21 से हराया। यह सिंधू की 25 वर्षीय क्रिस्टोफरसन के खिलाफ छह मैचों में पहली हार है। उन्हें यह हार ऐसे समय में मिली है जब वह फॉर्म में वापसी का संकेत दे रही थीं। यह स्टार भारतीय खिलाड़ी इस साल के शुरू में स्विस ओपन और जापान ओपन में शुरूआती दौर में ही बाहर हो गई थी। सिंधू ने पहले गेम में 3-1 की शुरूआती बढ़त बना ली थी, लेकिन डेनमार्क की खिलाड़ी ने 5-5 से बराबरी कर ली। सिंधू ने इसके बाद अपने खेल का स्तर बढ़ाया और लगातार अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी 13-12 से आगे थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक गंवा दिए।

ढाका विश्वविद्यालय चुनाव में इस्लामी छात्र संगठन ने मारी बाजी

1971 के बाद पहली बार मिली जीत

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में इस्लामी छात्र संगठन आईसीएस ने 12 में से 9 पद जीतकर 1971 के बाद पहली बार बड़ी जीत दर्ज की। सदिक कायम वाइस प्रेसिडेंट और एसएम फरहाद जनरल सेक्रेटरी चुने गए। इसके बाद बीएनपी समर्थित छात्र संगठन जेसीडी ने नतीजों को हेराफेरी बताकर खारिज कर दिया और चुनाव को एक मजाक बताया। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में इस्लामी छात्र संगठन जमात-ए-इस्लामी के छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबीर (आईसीएस) ने जोरदार जीत हासिल की है। मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित हुए। यह 1971 के बाद पहली बार है जब कोई इस्लामी छात्र संगठन इतनी बड़ी जीत दर्ज कर पाया है। इस चुनाव में आईसीएस ने कुल 12 पदों में से 9 पर कब्जा किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आईसीएस के सदिक कायम को वाइस प्रेसिडेंट और एसएम फरहाद को जनरल सेक्रेटरी घोषित किया। अध्यक्ष का पद विश्वविद्यालय के उपकुलपति के लिए रिजर्व रखा गया है। बीएनपी ने चुनाव परिणाम मानने से किया इनकार हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के समर्थक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र संगठन जतियाताबादी छात्र दल (जेसीडी) ने चुनाव परिणामों को मानने से इनकार किया है। उन्होंने परिणामों को हेराफेरी बताते हुए मजाक बताया है। जेसीडी के उपाध्यक्ष उम्मीदवार मोहम्मद अबिदुल इस्लाम ने फेसबुक पर कहा कि वे चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं करते। इसके साथ ही पिछले साल की सरकार विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) समूह भी इस बार चुनाव में कमजोर रहे। एसएडी के उम्मीदवार अब्दुल कादर ने विश्वविद्यालय पर पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि आईसीएस ने मतदान केंद्रों के अंदर नतीजों में हेरफेर किया। बता दें कि भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण समूह छोड़ने वाली एसएडी की पूर्व प्रवक्ता उमामा फातिमा ने स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ते हुए चुनाव से पहले ही बहिष्कार कर दिया। अधिकारी ने चुनाव को बताया 'मॉडल चुनाव' वहीं दूसरी ओर चुनाव अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद जसिम उद्दीन ने चुनाव को मॉडल चुनाव बताया। साथ ही कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। उन्होंने कहा कि जब भी देश संकट में होता है, ढाका विश्व विद्यालय नेतृत्व करता है। साथ ही राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) के नेता हसनात अब्दुल्लाह ने कहा कि ये चुनाव बांग्लादेश के राजनीतिक भविष्य को आकार देंगे और सभी पार्टियों से अपील की कि वे परिणामों का सम्मान करें। कैसा रहा मतदान, जानिए गौरतलब है कि चुनाव में लगभग 78 प्रतिशत वोटर पहुंचे और मतदान शांतिपूर्ण था, हालांकि कुछ जगहों पर अनियमितताओं और पक्षपात की शिकायतें भी आईं। मतदान सुबह आठ बजे शुरू होकर शाम चार बजे तक चला। मतगणना के दौरान आईसीएस ने बढ़त बनाई।

इस्राइली हमले के बाद मलबे में खोजे गए हमास नेताओं के शव, कतर-इस्राइल के बीच बढ़ा तनाव

दोहा (एजेंसी)। कतर में इस्राइली हमले के बाद बुधवार को मलबे में हमास नेताओं के शव खोजे गए। हमास के नेता गाजा पट्टी में युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए कतर आए थे। मगर इस्राइली हमले में उनकी मौत हो गई। हमलों के बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया है। इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हमला किया था। इसमें हमास के नेताओं की मौत हो गई थी। कतर पर हुए हमले की मध्य पूर्व और उसके बाहर कई देशों ने व्यापक निंदा की। इसके बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया। साथ ही युद्ध को समाप्त करने और गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लिए चल रही बातचीत खतरे में पड़ गई है। हमले के बाद हमास ने कहा कि उसके शीर्ष नेता हमले में बच गए, लेकिन पांच निचले स्तर के सदस्य मारे गए। इसमें गाजा में हमास के नेता और उसके शीर्ष वार्ताकार खलील अल-हय्या का बेटा, तीन अंगरक्षक और अल-हय्या के कार्यालय का प्रमुख शामिल है। कतर के सरकारी प्रसारक अल जजीरा ने हमले को क्रूर आक्रमण बताया है। सरकारी कतर समाचार एजेंसी ने बताया कि देश के शासक अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व के नेताओं के साथ कई बार बातचीत की। शेख तमीम ने हमले की निंदा की और कहा कि कतर इस्राइल को इसके परिणामों के लिए जिम्मेदार मानता है।

बार-बार पीएम बदले जाने को लेकर फ्रांस में बवाल

प्रदर्शनकारियों-पुलिस में झड़प, आगजनी; 200 गिरफ्तार

पेरिसं (एजेंसी)। फ्रांस में लोग हजारों की संख्या में सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। राजधानी पेरिस में आगजनी और तोड़फोड़ के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी हैं। उन्होंने कचरे के डिब्बों को आग के हवाले कर दिया है। उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों के खिलाफ फ्रांस में पेरिस समेत कई अन्य स्थानों पर बुधवार को जमकर बवाल हुआ। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दीं। उपद्रवियों को सार्वजनिक संपत्तियों को आग के हवाले कर दिया। शहरों में जगह-जगह आगजनी से तनाव फैल गया। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। दरअसल,

प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। वे देश में बार-बार प्रधानमंत्री बदले जाने को लेकर नाराज हैं। नए प्रधानमंत्री को लेकर नाराजगी लोगों में देश में चौथी बार प्रधानमंत्री बदले जाने को लेकर नाराजगी है। प्रदर्शन के जरिए लोग नए प्रधानमंत्री को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान दिन के शुरूआती घंटों में गृह मंत्री ने लगभग 200 गिरफ्तारियों की जानकारी दी। 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी थी कि वे अपने आंदोलन के दौरान सब कुछ ठप कर देंगे। हालांकि, आंदोलन शुरू में ठंडा पड़ा रहा और लोगों ने इसमें ऑनलाइन ही मौजूदगी दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर हैशटैग ट्रेंड में रहा। फिर जैसे-जैसे दिन बढ़ा और गर्मी ने जोर पकड़ा, यह विरोध प्रदर्शन तेज होता गया। 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए। उन्होंने बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद तत्काल गिरफ्तारियां की गईं। विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा कि पश्चिमी शहर रेनेस में एक बस में आग लगा दी गई। एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने से दक्षिण-पश्चिम में एक लाइन पर ट्रेनें अवरुद्ध हो गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे थे। सेबेस्टियन लेकोर्नू नए प्रधानमंत्री बनाए गए इससे पहले फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू (39) का नाम देश के नए प्रधानमंत्री के लिए सामने आया था। फ्रांस्वा बायरू के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लेकोर्नू को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया है। बीते एक साल में फ्रांस अपने चौथे प्रधानमंत्री को देख रहा है। देश के जनता बार-बार पीएम बदले जाने के फैसले से खुश नहीं है।

'आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था', अदालत ने नाबालिग लड़की को चूमने के आरोपी को बरी किया

ठाणे (एजेंसी)। अदालत ने कहा, 'जिस आरोप के लिए आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाया गया, उसे गलत तरीके से छूने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। पीड़िता की उम्र को देखते हुए, कोई भी व्यक्ति जो बच्चों से प्यार करता है, उसे गोद में उठा सकता है। उसके गाल पर प्यार से चुंबन दे सकता है, जो आमतौर पर समाज में होता है।' महाराष्ट्र के ठाणे की एक विशेष अदालत ने साल 2021 में एक तीन साल की बच्ची चूमने और उसके साथ कथित छेड़छाड़ के आरोपी को रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था। अदालत ने कहा कि बच्चों को प्यार करने वाला कोई भी व्यक्ति स्वभाविक तौर पर ऐसा कर सकता है। अदालत ने आरोपी को दिया संदेह का लाभ अदालत ने आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए कहा कि आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था और अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा। 22 अगस्त को पारित इस आदेश में, पोक्सो कानून से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रही विशेष न्यायाधीश रूबी यू मालवंकर ने 54 वर्षीय ओमप्रकाश रामबचन गिरि को बरी कर दिया। ओमप्रकाश रामबचन गिरी पर 9 जनवरी, 2021 को दो अलग-अलग मौकों पर नाबालिग बच्ची को गले लगाने और चूमने का आरोप था। पुलिस ने उनके खिलाफ ढडउरड अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की गरिमा भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत मामला दर्ज किया था। अदालत ने कहा, 'जिस आरोप के लिए आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाया गया, उसे गलत तरीके से छूने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। पीड़िता की उम्र को देखते हुए, कोई भी व्यक्ति जो बच्चों से प्यार करता है, उसे गोद में उठा सकता है। उसके गाल पर प्यार से चुंबन दे सकता है, जो आमतौर पर समाज में होता है।' अदालत ने की ये टिप्पणी अदालत ने कहा कि 'हमारे जैसे देश में, जब तक कि वह बच्चे को चोट न पहुंचा रहा हो या उसका व्यवहार आपत्तिजनक या अपमानजनक नहीं माना जाता।

पीटर नवारो ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर; अमेरिकी विशेषज्ञों ने ही दिखा दिया आईना, समझ पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। पीटर नवारो ने कहा है कि अमेरिका को भारत के साथ 'अनुचित व्यापार' करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन भारत जरूर अमेरिकी बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए बेचैन है। पिछले कुछ हफ्तों में, पीटर नवारो ने भारत के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है। नवारो ने भारत पर रूस का तेल कम कीमत पर खरीदकर मुनाफा कमाने का आरोप लगाया है।

पीटर नवारो ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर पीटर नवारो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'अमेरिका को भारत के साथ अनुचित व्यापार करने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन भारत को अमेरिकी बाजारों तक पहुंच की सख्त जरूरत है और वह अमेरिकी नौकरियां छीनता रहेगा।' नवारो ने एक बार फिर भारत पर रूस-यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'भारत रूस के यूक्रेन युद्ध को ईंधन देता है। भारत संरक्षणवादी है और उसके टैरिफ आसमान छू रहे हैं। अमेरिका का भारत के साथ भारी व्यापार घाटा है।' पीटर नवारो की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब भारत और अमेरिका के संबंध एक बार फिर से पटरी पर आते दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की है और पीएम मोदी ने भी दोनों देशों के संबंधों को खास बताया है। अमेरिकी विशेषज्ञों ने ही दिखाया आईना पीटर नवारो को अमेरिकी विशेषज्ञों ने ही आईना दिखाया है। अमेरिका के ऊर्जा और भूराजनीतिक विशेषज्ञ डेविड गोल्डविन ने कहा है कि पीटर नवारो एक कम समझ वाले राजनयिक हैं।

महाराजा रणजीत सिंह की विरासत पर शोध की मांग, सरदार तरलोचन सिंह ने की ब्रिटिश सिख नेताओं से अपील

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में पूर्व राज्यसभा सांसद सरदार तरलोचन सिंह को उनके काम के लिए सिख ज्वेल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने ब्रिटिश सिख नेताओं से अपील की कि महाराजा रणजीत सिंह के बिखरे खजानों पर शोध कर उन्हें सूचीबद्ध किया जाए और एक संग्रहालय में संरक्षित किया जाए। पूर्व राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार तरलोचन सिंह ने ब्रिटन के सिख सांसदों और नेताओं से एक बड़ी अपील की है। उन्होंने महराजा रणजीत सिंह के बिखरे हुए खजानों पर प्रामाणिक शोध करने की बात पर जोर दिया। ताकि उन्हें सूचीबद्ध कर एक संग्रहालय में संरक्षित किया जा सके। पूर्व सांसद तरलोचन लंदन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में अपने सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह के

तोशाखाने (खजाने) से जुड़ी कई अमूल्य वस्तुएं अब भी ब्रिटेन के विभिन्न संग्रहालयों में बिखरी हुई हैं। बता दें कि इससे पहले ब्रिटिश सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने सरदार तरलोचन सिंह को उनके समाजसेवा और सिख समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों के लिए सिख ज्वेल अवॉर्ड से सम्मानित किया। महाराजा की धरोहर को एकजुट करने पर जोर सरदार तरलोचन सिंह ने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक रिपोर्टें सामने आई हैं जिनमें ब्रिटिश शासन के समय की एक फाइल में महाराजा के खजाने की सूची दी गई है। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों को अपनी विरासत पर गर्व हो, इसके लिए जरूरी है कि महाराजा रणजीत सिंह के खजानों की सूची जारी की जाए। उन्होंने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी की पवित्र कलगी, जिसे महाराजा रोज श्रद्धापूर्वक छूते थे, भी उस खजाने में थी। महाराजा की सोने की कुर्सी आज विक्टोरिया एंड अल्बर्ट म्यूजियम में प्रदर्शित है, लेकिन कई वस्तुएं संग्रहालयों में भंडारण में पड़ी हैं, जिन्हें एक छत के नीचे लाकर प्रदर्शित किया जा सकता है। इस दौरान सिंह ने ये भी साफ किया कि उनकी मांग इन वस्तुओं को भारत लाने की नहीं, बल्कि ब्रिटेन में ही उचित देखभाल और प्रदर्शन की है। सारागढ़ी युद्ध को लंदन में स्मृति देने की अपील इसके साथ ही सरदार तरलोचन सिंह ने ब्रिटिश सिख एसोसिएशन से यह भी आग्रह किया कि वे 1897 के सारागढ़ी युद्ध को लंदन में यादगार बनाएं। यह वही युद्ध है जिसमें ब्रिटिश भारतीय सेना की 36वीं सिख रेजिमेंट के 21 सिख सैनिकों ने हजारों अफगान कबायलियों से मुकाबला किया था। लॉर्ड रामी रेंजर ने किया समर्थन ब्रिटिश सिख एसोसिएशन के अध्यक्ष लॉर्ड रामी रेंजर ने इस विचार का समर्थन करते हुए कहा कि एसोसिएशन इस कार्य के लिए एक सारागढ़ी मेमोरियल सोसाइटी बनाएगी। लॉर्ड कुलदीप सिंह साहोता ने वॉल्वरहैम्प्टन में स्थापित हवलदार ईशर सिंह की कांस्य प्रतिमा का ज़िक्र किया, जो सारागढ़ी युद्ध की याद में लगाई गई है।

'लाठी लेकर दौड़ी भीड़', नेपाल में फंसी भारतीय पर्यटक की आपबीती; प्रदर्शनकारियों ने होटल फूंका

काठमांडो (एजेंसी)। नेपाल में फैली हिंसा का सामना एक भारतीय पर्यटक को भी करना पड़ा है। भारतीय पर्यटक ने सोशल मीडिया के जरिये आपबीती साझा करते हुए कहा कि मैं जिस होटल में रुकी थी, उसमें आग लगा दी गई। जब मैं स्पा से लौटी तो भीड़ मेरे पीछे लाठी लेकर दौड़ी। मैंने जैसे-तैसे भागकर जान बचाई। भारतीय पर्यटक ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में उपासना गिल नाम की महिला ने कहा कि वह नेपाल में वॉलीबाल लीग में भाग लेने आई थी। मैं पोखरा के जिस होटल में ठहरी हुई थी, वह जलकर खाक हो गया है। कमरे में रखा मेरा सारा सामान जल गया। मैं स्पा में गई थी। जब मैं वहां से वापस लौटी तो लोग बड़ी-बड़ी लाठियां लेकर दौड़ रहे थे। मैंने बड़ी मुश्किल से वहां से भागकर अपनी जान बचाई। उपासना गिल ने प्रफुल्ल गर्ग के साथ साझा किए वीडियो में कहा कि यहां हालात बहुत खराब हैं। हर जगह सड़कों पर आग लगाई जा रही है। प्रदर्शनकारी पर्यटकों को भी नहीं बख्श रहे हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई पर्यटक है या कोई काम से आया है। वे बिना सोचे-समझे हर जगह आग लगा रहे हैं। हमें नहीं पता कि हम कब तक किसी और होटल में रहेंगे। लेकिन मैं भारतीय दूतावास से विनती करती हूं कि कृपया यह वीडियो, संदेश उन तक पहुंचा दिया जाए। आप सभी से हाथ जोड़कर विनती है। हमारी मदद करें। मेरे साथ यहां बहुत से लोग हैं, और हम सब यहां फंसे हुए हैं। भारतीय दूतावास ने जारी की सलाह नेपाल के हालात को लेकर काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल में सभी भारतीय नागरिकों के लिए आपातकालीन नंबर जारी किए हैं।

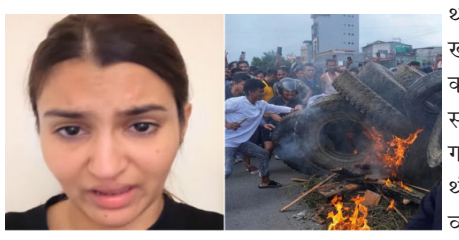

'धर्म आधारित आवासीय परियोजनाएं राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा'

हलाल टाउनशिप को लेकर बढ़ा विवाद

मुंबई (एजेंसी)। उपाध्ये ने कहा, '1857 के विद्रोह के बाद, सर सैयद अहमद खान ने मुसलमानों के लिए अलग बस्तियों की मांग की थी, जिसे विभाजन की पहली मांग माना गया। करजत में आज की हलाल बस्ती को भी देश की एकता के लिए खतरे की घंटी के रूप में देखा जाना चाहिए।' महाराष्ट्र भाजपा ने धर्म के आधार पर आवासीय परियोजनाओं की आलोचना की है और विभाजनकारी हथकंडा बताते हुए इन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बताया। भाजपा ने कहा कि धर्म आधारित आवासीय परियोजनाएं देश के सांविधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती हैं। भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने हाल ही में मुंबई से लगभग 100 किलोमीटर दूर करजत के पास प्रस्तावित 'हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप' को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि 'हमारी आपत्ति आवासीय संपत्तियों की बिक्री के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाने को लेकर है। यह अस्वीकार्य है।' यह टाउनशिप सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप के नाम से प्रमोट की जा रही है। हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप पर बढ़ा विवाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने करजत परियोजना से जुड़ी शिकायत का संज्ञान लिया है और राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। साथ ही, आवास नियामक महाराष्ट्रेरा से भी इस परियोजना को मंजूरी देने के कानूनी आधार पर स्पष्टीकरण मांगा है। उपाध्ये ने कहा कि धर्म से प्रेरित ऐसी परियोजनाएं विभाजन के बीज बोने का प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा, 'मुंबई के आसपास ऐसी 'हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप' बनाकर समाज में धार्मिक विभाजन की दीवारें खड़ी करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए।' 'ये परियोजना सांविधानिक मूल्यों पर सीधा हमला' भाजपा नेता ने कहा, '1857 के विद्रोह के बाद, सर सैयद अहमद खान ने मुसलमानों के लिए अलग बस्तियों की मांग की थी, जिसे विभाजन की पहली मांग माना गया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।